सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 270 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 13 जुलाई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

तेलुगू सिनेमा के दिग्गज एक्टर कोटा श्रीनिवास राव का निधन, 83 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

हैदराबाद ए.। तेलुगू सिनेमा के दिग्गज एक्टर कोटा श्रीनिवास राव का 83 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित अपने निवास पर लंबी बीमारी के बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। एक्टर ने 2 दिन पहले ही अपना 83वां जन्मदिन मनाया था और अब उन्होंने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। इनके निधन से मनोरंजन जगत में शोक की लहर छा गई है।

कोटा श्रीनिवास राव तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम थे। उन्होंने 1978 में फिल्म 'प्राणम खरीदु' से डेब्यू किया था। लगभग 40 साल से भी लंबे अपने एक्टिंग करियर में उन्होंने 750 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों में विलेन, सपोर्टिंग एक्टर और कॉमेडियन का किरदार निभाने के लिए उन्हें 9 बार नंदी अवॉर्ड से भी नवाजा गया। 2015 में एक्टर को पद्मश्री से नवाजा गया। तेलुगु के अलावा राव ने तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम सिनेमा में कई फिल्में की थीं। राव ने राजनीति में भी अपनी सेवाएं दी थीं। साल 1999 से लेकर 2004 तक वे आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा ईस्ट से विधायक रहे थे।

एक ही स्कूल के 9 शिक्षक और 3 प्यून अनुपस्थित, डीईओ ने सभी को थमाया नोटिस

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में बस्तर जिले के एक स्कूल में एक दिन में 9 शिक्षक एक साथ अनुपस्थित पाए गए। साथ ही इसी स्कूल के 3 प्यून भी नदारद रहे। जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल का अचानक निरीक्षण किया। वहीं अनुपस्थित शिक्षकों और प्यून को कारण बताओ नोटिस थमाया गया है। सभी से 3 दिनों के अंदर जवाब मांगा गया है।

दरअसल, ष्ठश्वह्र बीआर बघेल ने 12 जुलाई को जिले के बास्तानार और तोकापाल ब्लॉक के कई स्कूलों का निरीक्षण किया। इस दौरान तोकापाल ब्लॉक के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मावलीभाटा स्कूल पहुंचे। यहां 9 टीचर्स सहित 3 प्यून अनुपस्थित मिले। डीईओ ने सभी नोटिस जारी कर दिया है।

अनुपस्थित रहने वालों में नियमित नगेश दास, व्याख्याता एलबी लोकेश नाग, गेंदकुमारी तिवारी, पूजा ठाकुर, अंशुमाला मिंज, नियमित शिक्षक उग्रेश कुमार सोरी, शिक्षक एलबी राधाकृष्ण ध्रुव, दुतिका कश्यप एवं अनिता ठाकुर को नोटिस थमाया गया है। इनके अलावा प्यून बुधमनी बघेल, दीपिका सेठिया और चंद्रकला बघेल को भी जारी किया गया है।

छत्तीसगढ़ के सात नगरीय निकायों को मिलेंगे राष्ट्रीय पुरस्कार, 17 जुलाई को राष्ट्रपति मुर्मू करेंगी पुरस्कृत

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने पुरस्कार के लिए चयनित नगरीय निकायों को दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। नई दिल्ली में आगामी 17 जुलाई को आयोजित होने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में राज्य के सात नगरीय निकायों को स्वच्छता के मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु इन पुरस्कारों को प्रदान करेंगी। इस अवसर पर केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल तथा केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू भी उपस्थित रहेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों को प्रेसिडेंट्स अवार्ड प्रदान करेंगी। स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए बिलासपुर नगर निगम को तीन लाख से दस लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में, कुम्हारी नगर पालिका को 20 हजार से 50 हजार आबादी वाले शहरों की श्रेणी में तथा बिल्हा नगर पंचायत को 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में यह सम्मान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, रायपुर नगर निगम को स्वच्छता के क्षेत्र में राज्य स्तर पर श्रेष्ठ कार्यों के लिए केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा मिनिस्ट्रियल अवार्ड प्रदान किया जाएगा।

सुपर स्वच्छता लीग नाम से विशेष श्रेणी की शुरुआत

स्वच्छता के क्षेत्र में असाधारण प्रदर्शन करने वाले शहरों को पहचान देने हेतु इस वर्ष सुपर स्वच्छता लीग (एसएसएल) नामक एक विशेष श्रेणी की शुरुआत की गई है। इस लीग में वे शहर शामिल किए गए हैं, जो पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक बार शीर्ष तीन में स्थान प्राप्त कर चुके हैं तथा वर्तमान वर्ष में अपनी संबंधित जनसंख्या श्रेणी में शीर्ष 200 में बने हुए हैं। इस श्रेणी में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों का चयन हुआ है अंबिकापुर नगर निगम (50 हजार से तीन लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी), पाटन नगर पंचायत तथा बिश्रामपुर नगर पंचायत (20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी) को एसएसएल के लिए चयनित किया गया है।

नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यों का उत्कृष्ट परिणाम

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने स्वच्छ सर्वेक्षण में राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयनित सातों नगरीय निकायों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा स्थानीय निकायों द्वारा सतत किए जा रहे प्रयासों का यह उत्कृष्ट परिणाम है। उन्होंने आशा जताई कि आने वाले समय में राज्य के और भी अधिक नगरीय निकाय स्वच्छता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि शहरी सरकारों से लेकर राज्य और केंद्र सरकार तक, सभी मिलकर शहरों को स्वच्छ, सुंदर और सुविधासंपन्न बनाने हेतु अनेक नवाचारों के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं।

प्रदेश के लिए गर्व की बात

"छत्तीसगढ़ के सात नगरीय निकायों का स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में राष्ट्रीय स्तर पर चयन होना पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। यह हमारे नगरीय प्रशासन, स्थानीय निकायों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। बिलासपुर, कुम्हारी, बिल्हा, रायपुर, अंबिकापुर, पाटन और बिश्रामपुर जैसे शहरों ने स्वच्छता के क्षेत्र में जो उदाहरण प्रस्तुत किया है, वह अन्य निकायों के लिए भी प्रेरणा बनेगा। मैं सभी विजेता नगरीय निकायों को बधाई देता हूँ और विश्वास जताता हूं कि छत्तीसगढ़ स्वच्छता के इस अभियान में देश का अग्रणी राज्य बना रहेगा।

-मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

राष्ट्रपति ने उज्ज्वल निकम, सी. सदानंदन, मीनाक्षी जैन व हर्षवर्धन श्रृंगला को राज्यसभा के लिए किया मनोनीत

नईदिल्ली ए.। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यसभा के लिए चार लोगों को मनोनीत किया है। इनमें सरकारी वकील उज्ज्वल देवराव निकम, केरल के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सी. सदानंदन मास्टर, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और प्रख्यात इतिहासकार एवं शिक्षाविद् मीनाक्षी जैन का नाम शामिल है। ये नामांकन पूर्व में नामित सदस्यों की सेवानिवृत्ति के कारण खाली पड़ी सीटों को मद्देनजर किए गए हैं।

बता दें कि राष्ट्रपति मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 80(1)(क) के खंड (3) द्वारा उन्हें दी गई शक्तियों के अंतर्गत इन लोगों को राज्यसभा के लिए चुना है। भारत के राष्ट्रपति राज्यसभा के लिए 12 व्यक्तियों को मनोनीत कर सकते हैं।

अमेरिका, बांग्लादेश और थाईलैंड में राजदूत रहे हैं श्रृंगला

हर्षवर्धन श्रृंगला पूर्व विदेश सचिव रहे हैं। उन्होंने पूर्व में संयुक्त राज्य अमेरिका, बांग्लादेश और थाईलैंड में राजदूत का पद भी संभाला है। उन्होंने 2023 में भारत की जी20 अध्यक्षता के लिए मुख्य समन्वयक के रूप में भी कार्य किया है।

निकम ने मुंबई आतंकवादी हमलों में रखा सरकार का पक्ष

उज्जवल देवराव निकम कानूनी क्षेत्र में एक जाना-माना नाम हैं। कई हाई प्रोफाइल मुकदमों को संभालने के लिए उन्हें जाना जाता है, इनमें 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों में अजमल कसाब का मुकदमा और 1993 के बॉम्बे विस्फोट मामले शामिल हैं। उन्हें भारतीय जनता पार्टी ने 2024 के आम चुनावों में मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया था।

1994 में माकपा वालों ने काट दिए थे सदानंदन मास्टर के पैर

राज्यसभा के लिए नामित किए गए सी. सदानंदन मास्टर केरल के भाजपा सदस्य हैं। वे पूर्व में शिक्षक रहे हैं। उन्हें भाजपा ने 2021 के विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया था। वहीं, सदानंदन को 25 जनवरी, 1994 में राजनीतिक हिंसा के शिकार बनाया गया था। तब उनके पैतृक गांव पेरिंचरी के पास माकपा कार्यकर्ताओं ने उनके दोनों पैर काट दिए थे।

गार्गी कॉलेज में पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर हैं मीनाक्षी जैन

राज्यसभा के लिए राष्ट्रपति मुर्मू द्वारा नामित की गई डॉ. मीनाक्षी जैन प्रख्यात इतिहासकार एवं शिक्षाविद् हैं। वे दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी कॉलेज में इतिहास की पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर रही हैं।

विधायक खुशवंत साहेब की गाड़ी पर पथराव हमले से सामने का शीशा टूटा, हाथ में चोट

सतनामी समाज के कार्यक्रम में शामिल होने गए थे बेमेतरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में आरंग से बीजेपी विधायक और अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब की गाड़ी पर हमला हुआ है। उनकी कार में असामाजिक तत्वों ने पथराव किया है, जिससे कार का शीशा टूट गया है। विधायक हाथ में चोट भी लगी है।

खुशवंत साहेब ने बताया कि सतनामी समाज के कार्यक्रम में शामिल होने गया था। सामाजिक बैठक के बाद रायपुर के लिए लौट रहा था। इसी वक्त कांच पर पत्थर आकर लगा। कांच के चूरे इधर-उधर बिखर गए। हमले से विधायक के हाथ से खून निकल गया।

जानकारी के अनुसार, शनिवार को विधायक खुशवंत साहेब बेमेतरा के नवागढ़ में एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल हो गए थे, जहां से शाम 7 बजे के आसपास रायपुर स्थित निवास लौट रहे थे। इसी दौरान चारभांठा ढोलिया और भोइनाभांठा के बीच बाईपास रोड पर अचानक गाड़ी पर जबरदस्त पत्थरबाजी की गई।

पुलिस की जांच शुरू

गाड़ी की रफ्तार अधिक होने के कारण पत्थर सीधा कांच तोड़ते हुए अंदर नहीं आ सका, नहीं तो हादसा गंभीर हो सकता था। पत्थर खुशवंत साहेब को लग सकती थी। उनके स्टाफने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

75 साल की उम्र में रिटायरमेंट

श्रीकंचनपथ

रिटायरमेंट की उम्र क्या होनी चाहिए? पहले सरकारी कर्मचारी 58 साल की उम्र में रिटायर होते थे। फिर यह बढ़कर 60 हो गया। शिक्षा के क्षेत्र में यह बढ़कर 65 हो गया। पर नेताओं के लिए कोई ऐसी सीमा कभी नहीं रही है। कगार का वृक्ष होने की उम्र में भी वो पद स्वीकारते और संभालते रहे हैं, फिर तिरंगे में लिपट कर जाते रहे हैं। इस पर विराम लगाया भारतीय जनता पार्टी ने। 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान उसने एक अघोषित सीमा रेखा खींच दी। 75 पार के किसी भी नेता को इस चुनाव में टिकट नहीं दिया गया और न ही उन्हें कोई पद दिया गया। लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी जैसे नेताओं को मार्गदर्शक मंडल में भेज दिया गया। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसी साल सितम्बर में 75 साल की अवस्था पूरी कर लेंगे। सवाल यह उठने लगा है क्या मोदी वाकई झोला उठाकर चल देंगे। नोट बंदी के मोदी ने स्वयं यह बात कही थीं। उन्होंने कहा था कि वो तो फकीर आदमी हैं, झोला लेकर चल पड़ेंगे। नया बवाल उठा है भागवत के एक भाषण से। भागवत ने कहा कि 75 साल का होने पर जब शाल ओढ़ाई जाए तो समझ लेना चाहिए कि अब दूसरों के लिए रास्ता छोड़ने का वक्त आ गया है। सनातन में जीवन की चार अवस्थाएं हैं। इसमें आयु सीमा बदलती रही है पर एक बात मोटा-मोटी तय है कि एक अवस्था के बाद वानप्रस्थ की शरण ले लेनी चाहिए। कृषि प्रधान भारतीय समाज में ऐसा ही होता रहा है। बेटा 25 का होते ही खेत जोतने लगता था। उसके 50 का होते तक उसका बेटा भी किसानी करने लगता था। दादाजी रिटायर होकर घर बैठ जाते थे। नाती पोतों, पड़पोतों के साथ खेलते थे। बुढ़ापा सुख से गुजरता था। वह मार्गदर्शक मंडल की तरह सलाह-मशविरे के लिए उपलब्ध रहता था। राजनीति में भी ऐसा ही होना चाहिए। इसलिए जब भाजपा ने 2014, 2019 और 2024 में 75 साल का फार्मूला जारी रखा तो देश की राजनीति में एक मजबूत संदेश भी गया। सीधी सी बात है कि अगर आप कुर्सी खाली नहीं करेंगे तो आपके नीचे वाले क्या करेंगे। संघ और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि भागवत भले ही संघ प्रमुख हों पर मोदी अपने फैसले लेने के लिए स्वतंत्र हैं। अर्थात मोदी संघ और पार्टी दोनों से ऊपर हैं। मोदी के करोड़ों समर्थकों को भी लगता है कि मोदी नहीं रहेंगे तो देश का क्या होगा। ऐसा ही इंदिरा गांधी के कार्यकाल में भी लोग महसूस करते थे। इंदिरा नहीं रहेंगी तो क्या होगा? पर किसी के रहने या नहीं रहने से देश को कोई फर्क नहीं पड़ता। मोदी भले ही रिटायर हो जाएं पर उनका मार्गदर्शन बना रह सकता है। एक नई व्यवस्था बन सकती है, जिसका श्रेय मोदी को ही जाएगा।

संपादकीय

नियम है तो यह तो होना ही था

3200 करोड़ का शराब घोटाला राज्य के सामूहिक या संगठित घोटालों की सूची में सबसे बड़ा घोटाला माना जा सकता है। इस मामले में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद अधिकारियों पर नियमानुसार तो कार्रवाई होनी ही थी। नियम के मुताबिक आरोप पत्र दाखिल होने के 24 घंटे के भीतर आरोप पत्र में जिन अधिकारियों के नाम है, उनको निलंबित कर दिया जाना था लेकिन उनको कुछ देर से सही निलंबित कर दिया गया है।कहा जाता है कि आदमी जैसा कर्म अकेले और समूह में करता है तो उसको कर्मफल भी अकेले या समूह के साथ भुगतना पड़ता है।

ईओडब्लू की चार्जशीट के मुताबिक प्रदेश के सबसे बड़े शराब घोटाले में 4 आबकारी उपायुक्त, 13 सहायक आयुक्त, 9 जिला अधिकारी, 3 सहायक जिला अधिकारी शामिल हैं।इन सभी को प्रति पेटी 3 प्रतिशत से ज्यादा कमीशन मिलता था। इनमें 7 अफसर रिटायर हो चुके हैं, एक की मौत हो गई है। सबको पद के हिसाब से पैसा मिलता था। आबकारी उपायुक्त को हर माह दो लाख रुपए, सहायक उपायुक्त को डेढ़ लाख, जिलाआबकारी अधिकारी को सवा लाख, सहायक आबकारी अधिकारी को एक लाख रुपए सेलरी मिलती है। यह देखा जाए तो इतनी सेलरी कम तो नहीं कही जा सकती लेकिन जब कभी अधिकारी के सामने ऐसा मौका आता है कि पूरी जिंदगी में जितना नहीं कमा सकते उतना कुछ साल में कमाने का मौका मिलता है तो अधिकारी यह सोचकर रिस्क उठा लेता है कि घोटाला नहीं खुला तो फायदा ही फायदा है। खुल गया तो भी इतना पैसा तो आ ही गया है कि जिंदगी भर पैसे की कमी नहीं होगी।

> *बताया जाता है कि सबसे बड़े अधिकारी को सबसे ज्यादा कमीशन मिला है, उसे तीन साल में ही इतना मिल गया कि 60 साल नौकरी करने पर भी नहीं मिलता। सामूहिक भ्रष्टाचार में यह सोच कर भी तसल्ली होती है कि यह सब तो ऊपर वाले के इशारे के किया जा रहा है, इसलिए इस सरकार के रहते तो कोई कार्रवाई नहीं होगी। ज्यादातर अधिकारी तो इसीलिए घोटाले में स्वेच्छा का मजबूरी में शामिल हो गए होंगे। जो स्वेच्छा से शामिल हुए होंगे उनको पैसा दिख रहा होगा, जो मजबूरी में शामिल हुए होंगे, उनको लगा होगा कि सब कर रहे हैं तो करना तो मुझे भी पड़ेगा। ऐसा होता है जब ज्यादातर लोग भ्रष्टाचार करते हैं और कुछ लोग ईमानदार होते हैं तो भ्रष्ट लोगों के दवाब में उनको भी वही सब करना पड़ता है जो सब करते हैं।*

भ्रष्ट लोगों को ईमानदार आदमी से सबसे ज्यादा डर लगा रहता है कि यह हमारी पोल खोल सकता है, इसलिए ईमानदार आदमी को किसी भी तरह भ्रष्टाचार के दलदल में घसीट लिया जाता है वह जब साथ में आ जाता है तो भ्रष्टाचार की पोल खुलने का कोई डर ही नहीं रहता है। सामूहिक घोटाले की पोल सरकार बदलने पर खुलनी ही थी और ऐसा ही हुआ है। पोल खुलने पर कुछ अधिकारियों ने यह भी कहा था कि आबकारी विभाग में हमको नौकरी करते हुए 10-20 साल हो चुके है, कुछ तो रमन सिंह के समय में काम कर चुके हैं,उनका लाजिक है कि तब हम पर कोई आरोप नहीं लगा था, तब सरकारी तौर पर ऐसा कुछ नहीं किया जाता था, पिछली सरकार में ऐसा किया गया और हम पर दबाव डालकर यह काम करवाया गय। अब साय सरकार में भी हम काम कर रहे हैं,लेकिन कहीं कोई गड़बड़ी नहीं हो रही है। उनका कहना था कि गलती हमारी नहीं सिस्टम की थी।

पुरानी सरकार के समय के इतने घोटाले सामने आते गए हैं कि राज्य की जनता को लगता है कि पिछली सरकार को उसने घोटाला करने के लिये मौका दिया था। जनता को ऐसा लगता है कि पिछली सरकार के समय पूरे तंत्र को सिस्टम को पार्टी, परिवार व अपने लिए पैसा बनाने भ्रष्ट कर दिया गया था। माना जाता है कि जब तंत्र को यह पता चल जाता है शीर्षस्थ आदमी ही अपने लोगों के जरिए पैसा बना रहा है तो वह भी पैसा बनाने लग जाता है और पूरा तंत्र एक तरह से भ्रष्ट हो जाता है। लोकतंत्र में सबसे बुरी स्थिति यही होती है कि पूरा तंत्र ही खराब हो जाए।

व्यक्ति भ्रष्टाचार करता है तो उससे सरकार,समाज को बहुत ज्यादा नुकसान नहीं होता है लेकिन जब भ्रष्टाचार समूह में किया जाता है, लोगों को भ्रष्टाचार करने के लिए मजबूर कर किया जाता है तो इससे राज्य को सबसे ज्यादा नुकसान होता है। ऐसी स्थिति में किसी को भ्रष्टाचार अपराध नहीं लगता है, बुरा नहीं लगता है। क्योंकि सब करते है, और जो नहीं करना चाहता उसको भी करने के लिए मजबूर भी करते हैं।जनता सब देखती रहती है और समय आने पर ऐसे लोगों को सबक सिखाती है। अक्सर भ्रष्टाचार करने वाले सोचते हैं कि वह जो कुछ कर रहे हैं जनता को पता नहीं है लेकिन बाद में उनको पता चलता है कि जनता को कुछ पता नहीं था, यह उनका वहम था।

अंतरिक्ष में भारत की मजबूत उपस्थिति

विनीत नारायण

41 साल बाद भारत ने एक बार फिर अंतरिक्ष में अपनी उपस्थिति मजबूत की है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा शुरू की जिसने न केवल भारत की अंतरिक्ष महत्त्वाकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, बल्कि 1.4 अरब भारतीयों के सपनों को भी पंख दिए।

अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा एक ऐसा अनुभव है, जो सामान्य मानवीय अनुभवों से परे है। यह न केवल वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धि है, बल्कि एक गहन व्यक्तिगत और दार्शनिक अनुभव भी है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा के दौरान कहा, 'क्या कमाल की सवारी थी!' यह उत्साह और आश्चर्य उनकी भावनाओं का प्रतीक है, जो हर उस व्यक्ति के मन में कौतूहल जगाता है, जो अंतरिक्ष की सैर का सपना देखता है। अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवेश करने पर सबसे पहला अनुभव शून्य गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रैविटी) का होता है। शुभांशु ने इसे 'शिशु की तरह चलना सीखने' जैसा बताया। अंतरिक्ष यात्री को अपने शरीर को नियंत्रित करने, खाने, पढ़ने और यहां तक कि सोने के लिए भी नये तरीके सीखने पड़ते हैं। यह अनुभव चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ रोमांचक भी है। अंतरिक्ष में तैरना, जहां हर वस्तु हवा में लंगरहीन होती है, एक ऐसी अनुभूति है, जो पृथ्वी पर असंभव है।

इसके साथ ही अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखना एक गहन अनुभव है। नीले ग्रह की सुंदरता, बादलों की नाजुक परतें और महासागरों की विशालता अंतरिक्ष यात्रियों को प्रकृति और मानवता के प्रति गहरी जिम्मेदारी का अहसास कराती हैं। शुभांशु ने अपनी यात्रा के दौरान कहा, 'मैं दृश्यों का आनंद ले रहा हूं।' ये दृश्य न केवल मनमोहक हैं, बल्कि यह भी याद दिलाते हैं कि हमारा ग्रह कितना नाजुक और अनमोल है। अंतरिक्ष यात्रा शारीरिक और मानसिक रूप से कठिन होती है। लॉन्च के दौरान तीव्र जी-फोर्स का अनुभव, अंतरिक्ष में प्रारंभिक असुविधा और माइक्रोग्रैविटी में अनुकूलन की प्रक्रिया हर अंतरिक्ष यात्री के लिए कठिन परीक्षा होती है। शुभांशु ने हंसते हुए बताया कि उन्होंने अंतरिक्ष में 'काफी सोया' जो उनके अनुकूलन का हिस्सा था। इसके अलावा, अंतरिक्ष स्टेशन पर लंबे समय तक रहने से मांसपेशियों का क्षय और हड्डियों की कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जिनका अध्ययन इस मिशन का एक हिस्सा था। अंतरिक्ष स्टेशन पर समय केवल दृश्यों का आनंद लेने तक सीमित नहीं है।

एक्सिओम-4 मिशन के दौरान शुभांशु और उनकी टीम ने 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग किए, जिनमें से सात भारत के थे। इन प्रयोगों में माइक्रोग्रैविटी में फसल बीजों का प्रभाव, मांसपेशियों के क्षय का अध्ययन और डीएनए मरम्मत जैसे विषय शामिल थे। यह कार्य न केवल वैज्ञानिक खोजों को बढ़ावा देता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी मजबूत करता है।

41 साल पहले, 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा ने सोवियत यूनियन के सोयुज टी-11 मिशन के तहत अंतरिक्ष में कदम रखा था। तब से भारत ने अंतरिक्ष अनुसंधान में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन मानव अंतरिक्ष उड़ान में यह दूसरा बड़ा कदम है। शुभांशु की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यात्रा भारत के लिए कई मायनों में महत्त्वपूर्ण है। इसरो ने एक्सिओम-4 मिशन के लिए 5 अरब रुपये (.59 मिलियन) का निवेश किया, ताकि शुभांशु को प्रशिक्षण और अंतरिक्ष अनुभव प्राप्त हो सकें। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा, 'इस मिशन से प्राप्त अनुभव और प्रशिक्षण भारत के लिए अभूतपूर्व लाभकारी होंगे।' शुभांशु का यह अनुभव गगनयान के लिए लॉन्च प्रोटोकॉल, माइक्रोग्रैविटी अनुकूलन, और आपातकालीन तैयारी में मदद करेगा। एक्सिओम-4 मिशन नासा, इसरो, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और निजी कंपनी एक्सिओम स्पेस के बीच सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है।

यह मिशन भारत की बढ़ती वैश्विक स्थिति और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष समुदाय में इसके योगदान को दर्शाता है। पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यह मिशन वैश्विक एकता और साझा वैज्ञानिक लक्ष्यों का प्रतीक है। शुभांशु की यात्रा ने भारत के युवाओं में अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रति उत्साह जगाया है। लखनऊ में उनके स्कूल, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, में आयोजित वॉच पार्टी में सैकड़ों छात्रों ने उनके प्रक्षेपण को देखा और उत्साह के साथ तालियां बजाई। इसरो ने शुभांशु के लिए भारतीय छात्रों के साथ बातचीत के आयोजन की योजना बनाई है, जो नई पीढ़ी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में कॅरियर बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

भारत ने 2035 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, स्थापित करने और 2040 तक चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्री भेजने की महत्त्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं। शुभांशु की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यात्रा इन लक्ष्यों की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। यह भारत को न केवल तकनीकी रूप से सक्षम बनाता है, बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष अनुसंधान में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में भी स्थापित करता है। शुभांशु ने अपनी कक्ष से संदेश में कहा, 'मेरे कंधे पर तिरंगा मुझे बताता है कि मैं अकेला नहीं हूं, मैं आप सभी के साथ हूं।' यह भावना 1.4 अरब भारतीयों के गर्व और एकता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उपलब्धि को '1.4 अरब भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीक' बताया है।

यह मिशन भारत की प्रगति और आत्मनिर्भरता का एक और प्रमाण है। अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा एक ऐसी यात्रा है, जो न केवल वैज्ञानिक खोजों को बढ़ावा देती है, बल्कि मानवता को अपनी सीमाओं से परे सोचने के लिए भी प्रेरित करती है। शुभांशु शुक्ला की एक्सिओम-4 मिशन में भागीदारी भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, जो 41 साल बाद अंतरिक्ष में देश की वापसी को चिह्नित करता है। यह मिशन न केवल गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसे भविष्य के मिशनों के लिए आधार तैयार करता है, बल्कि भारत के युवाओं को सपने देखने और उन्हें हासिल करने की प्रेरणा भी देता है। जैसा कि शुभांशु ने कहा, 'यह मेरी उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे देश की सामूहिक जीत है।' यह यात्रा भारत के अंतरिक्ष युग के नये अध्याय की शुरुआत है।

आतंकवाद के खिलाफ मुहिम जारी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले को आर्थिक युद्ध का नया कृत्य बताया। एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका से बातचीत में उन्होंने परमाणु ब्लैकमेल की पाकिस्तान की नीति का जवाब देने की बात भी कही।

जयशंकर ने पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम अब यह स्वीकार नहीं करेंगे कि आतंकवादी छद्म हैं। इस मामले में पाकिस्तान पूरी तरह दोषी है। पहलगाम में छब्बीस पर्यटकों की निर्मम हत्या के लगभग दो महीनों बाद उन्होंने विस्तार में यह बात की। भारत ने इस आतंकवादी घटना के बाद सीमापार स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला कर दिया था। विदेश मंत्री ने साफ कहा, हम सुरक्षा करेंगे। अपने लोगों की रक्षा करने के अधिकार का हम प्रयोग करेंगे।

साथ ही कहा कि हम आतंकवाद पर बातचीत करने को इच्छुक हैं। लेकिन यदि वे आतंकवाद जारी रखते हैं तो मुझे लगता है यह यथार्थवादी नहीं है। यह भी कहा कि आप एक साथ अच्छे पड़ोसी और आतंकवादी नहीं हो सकते। हालांकि पाक सरकार विभाजित कश्मीर में हत्याओं या हमलों में किसी भी तरह का हाथ होने से इंकार करती रही है। उनकी तरफ से भारत पर जवाबी हमले भी किए गए थे और चेतावनी दी गई थी कि यदि पाकिस्तान को अपने अस्तित्व पर खतरा महसूस हुआ तो वह परमाणु हथियारों का सहारा भी ले सकता है।

यह शायद पहली मर्तबा था, जब भारत ने दुश्मन मुल्क के भीतर घुसकर आतंकी ठिकानों का जबरदस्त तौर पर सफाया किया जिसका समूची दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत अब आतंकवादियों के प्रति कोई मुर्वत नहीं करने वाला। पाक में जारी राजनीतिक अस्थिरता और उथल-पुथल के दौरान आतंकवादियों के हौंसले बुलंद होते जा रहे थे। हालांकि सीमापार आतंकवाद की यह मामला बेहद जटिल है, इसलिए इसका समाधान आसानी से नहीं किया जा सकता। परंतु भारत द्वारा अपने पड़ोसी मुल्कों से संबंध सुधारने के प्रयासों पर गंभीर बात करने के संकेत दिए जा रहे हैं।

पहले भी पाकिस्तान सरकार द्वारा वांछित आतंकवादियों को प्रश्रय देने के कारण उनकी नीयत पर संदेह किया जाता रहा है। प्रशिक्षित आतंकवादियों के सीमापार से चोरी-छिपे घुसपैठ से देश की न सिर्फ शांति भंग होती है, बल्कि जान-माल का भी भारी नुकसान होता है। सरकार द्वारा उठाए गए सख्त कदमों से अब समूची दुनिया को सहमत होना ही होगा। मानना होगा कि यह किसी मुल्क विशेष की बजाय आतंकवाद के खिलाफ जारी मुहिम है।

अमीर और अमीर

साहसिक स्वीकारोक्ति, सच्चाई का सामना या सरकार को आईना दिखाना कहें, या कुछ और लेकर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जो कहा उसे सरकार के रुख के विपरीत तो कहा ही जा सकता है।

उन्होंने जो कहा उसका साफ-साफ अभिप्राय- यही है कि देश में गरीबों की संख्या बढ़ रही है, अमीर और अमीर होते जा रहे हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब संयुक्त राष्ट्र के हवाले से कुछ समय पहले कहा गया था कि देश में 33 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से ऊपर उठ चुके हैं। संघ और अपने गढ़ नागपुर में एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि धन का विकेंद्रीकरण जरूरी है। उन्होंने कृषि, विनिर्माण, कराधान और बुनियादी ढांचे के विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) सहित कई मुद्दों पर बात की।

उनका इशारा अमीरों के धन पर शिंकजा ढीला करने की तरफ था। उनके अनुसार अर्थव्यवस्था को इस तरह से विकसित होना चाहिए कि रोजगार पैदा हों और ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान हो। उदार आर्थिक नीतियां अपनाने के लिए उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिंह राव और मनमोहनसिंह की प्रशंसा की। उनके अनुसार ऐसे आर्थिक विकल्प पर विचार चल रहा है, जो रोजगार पैदा करेगा और अर्थव्यवस्था की वृद्धि को बढ़ावा देगा।

केंद्रीय मंत्री सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में क्षेत्रीय योगदान में असंतुलन से चिंतित दिखाई दिए। विनिर्माण क्षेत्र 22-24 फीसद, सेवा क्षेत्र 52-54 फीसद योगदान देता है, जबकि कृषि, ग्रामीण आबादी के 65-70 फीसद हिस्से को शामिल करने के बावजूद केवल 12 फीसद योगदान देती है। कृषि क्षेत्र का योगदान अर्थव्यवस्था में और अधिक होना चाहिए। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) की पीठ ठोकते हुए केंद्रीय मंत्री ने उनमें अन्य क्षेत्रों में भी दखल बढ़ाने को कहा।

वे अर्थव्यवस्था के वृद्धि इंजन हो सकते हैं। आयकर रिटर्न दाखिल करने और जीएसटी जमा करने तक ही सीमित न रहें। गडकरी ने अपने मंत्रालय के काम का हवाला देते हुए कहा कि सड़क विकास के लिए धन की कमी नहीं है। मैं कहता हूं कि मेरे पास धन की कमी नहीं है, बल्कि मेरे पास काम की कमी है। उन्हें इस बात पर भी विचार करना चाहिए कि जनता से पैसा वसूल कर खजाना भरना ही योग्यता नहीं है। गरीबों की बढ़ती संख्या और चंद लोगों के अमीर होते जाने की स्थिति को बदलने की आवश्यकता है।

अक्सर अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणिओं की शिकार होती महिलाएं

ललित गर्ग

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से गैंगरेप का मुद्दा एक बार फिर पश्चिम बंगाल में जितना बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है उतना ही बड़ा नारी उत्पीड़न का मुद्दा बन कर भी उभर रहा है।

इस मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल एवं निर्लज्ज टिप्पणी स्त्री की मर्यादा, सम्मान एवं अस्मिता के खिलाफ शर्मनाक व संवेदनहीन प्रतिक्रिया हैं। इन नेताओं के बयान से भारी जनाक्रोश पैदा हो गया।

इस मामले में सत्तारूढ़ टीएमसी पार्टी अंदर एवं बाहर, दोनों मोचरे पर घिरती हुई नजर आ रही है। इस मामले में पार्टी के अंदर गुटबाजी सामने आई है, वहीं भाजपा आक्रामक रूप से ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा टीएमसी ने अपनी पार्टी के नेताओं कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के उन बयानों पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इनके बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है। यह बदतर स्थिति है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही हैं।

अक्सर महिलाएं और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणिओं की शिकार होती हैं। ऐसे बयानों के बावजूद ऐसे नेता कठोर कार्रवाई की बजाय हल्की फुल्की फटकार के बाद बच निकलते हैं। ये बयान कभी महिलाओं की बॉडी शेमिंग करते नजर आते हैं, तो कभी रेप जैसे गंभीर अपराध को मामूली बताने की कोशिश करते नजर आते हैं। इसके साथ ही यह चिंताजनक संदेश भी जाता है कि महिलाओं के बारे में हल्के और आपत्तिजनक बयान देना नेताओं के लिए सामान्य बात है।

जहां देश की बेटियां न्याय का अध्ययन कर रही हों और वहीं उनके साथ अन्याय की पराकाष्ठा हो तो यह केवल आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि समाज, व्यवस्था और सोच के लिए आइना भी बन जाती है। प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना ने न केवल राजनीतिक सोच एवं कानून के मंदिर को शर्मसार किया है, बल्कि हर संवेदनशील मन को झकझोर दिया है।

पीड़िता एक लॉ कॉलेज में छात्रा थी। घटना की रात वह अपने कुछ परिचितों के साथ बाहर थी, जिनमें से ही कुछ ने उसकी अस्मिता को रौंद डाला। उसे नशा दिया गया और फिर सुनसान स्थान पर ले जाकर कई लोगों ने उसके साथ रेप किया। पुलिस ने कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, लेकिन सवाल है कि जब कानून पढ़ने वाली लड़की खुद असुरक्षित है, तो आम महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी? क्या यह कानून की शिक्षा देने वाली संस्थाओं एवं शासन करने वाली सत्ताओं के लिए आत्ममंथन का समय नहीं है? ऐसी घटनाओं पर निर्भया कांड के बाद बने कानूनों का सख्ती से पालन हो। रेप को सिर्फ एक 'जुर्म' नहीं, 'राष्ट्रीय आपदा' माना जाए और उसकी रोकथाम के लिए शिक्षा, संस्कार और तकनीकी सुरक्षा साधनों को प्राथमिकता दी जाए। कोलकाता की यह दर्दनाक घटना हमें चेताती है कि कानून बना लेना काफी नहीं, जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक बेटियां असुरक्षित रहेंगी।

सबसे दुखद यह है कि ऐसी घटनाओं में सोशल मीडिया पर तंज, मीडिया ट्रायल और व्यक्तिगत चरित्रहनन जैसी बातें पीड़िता को न्याय से अधिक पीड़ा देती हैं। उनकी पीड़ा तब और बढ़ जाती है जब जन-प्रतिनिधि निर्लज्ज बयानबाजी करते हैं। विश्व के अन्य देशों में ऐसा नहीं है। 2017 में ब्रिटेन के एक पाषर्द बयान पर खासा बवाल मचा था। पाषर्द ने सांसद का चुनाव लड़ रही गर्भवती महिला के बारे में कह दिया था, 'वो गर्भवती हैं, और उनका समय तो नैपी बदलने में ही बीत जाएगा आम लोगों की आवाज क्या उठाएंगी?' इस पर पाषर्द को माफी मांगनी पड़ी। ब्रिटेन जैसे कई देशों में अक्सर ऐसे बयानों पर कार्रवाई होती है। 2017 में ही यूरोपियन संसद के एक सांसद ने बयान दिया था, 'महिलाओं को कम पैसा मिलना चाहिए क्योंकि वो कमजोर, छोटी और कम बुद्धिमान होती हैं।' इसके बाद उन्हें निलंबित करके उनका भत्ता रोक दिया गया था।

निस्संदेह, टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। नारी सम्मान एवं जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिए परिणाम तय होने चाहिए। अपराध की रोकथाम अच्छे शासन की अनिवार्य शर्त बननी चाहिए लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों मामलों में विफल प्रतीत होती है। अत्याचारियों के लिए त्वरित न्याय और सख्त सजा जरूरी है लेकिन जन-प्रतिनिधि की निर्लज्ज बयानबाजी भी अपराध के दायरे में होनी चाहिए।

आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब ऐसे और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होते रहना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय एवं राजनीति की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं, तो ईमानदार स्वीकारोक्ति, पड़ताल एवं निष्पक्ष न्याय से ही यह संभव होगा।

तेजी से बढ़ रही युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति

योगेश कुमार गोयल

मादक पदार्थों का सेवन केवल व्यक्ति की निजी कमजोरी नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध सबसे बड़ा अपराध है। यह प्रवृत्ति शहरों के क्लबों, पार्टियों और रेव-संस्कृति तक सीमित नहीं रही, बल्कि दूरस्थ गांवों और कस्बों तक पांव पसार चुकी है।

सबसे चिंता की बात यह है कि यह सब कुछ हमारे सामाजिक ढांचे का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। वैसे यह समस्या भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अनेक देशों में भी नशीली दवाओं की तस्करी खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से प्रति वर्ष 26 जून को 'अंतरराष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है, लेकिन 36 वर्षों से यह दिवस मनाते रहने के बावजूद नशे की तस्करी पर लगाम कसे जाने की बजाय यह समस्या दुनिया भर में विकराल होती गई है। चिंताजनक स्थिति यह है कि भारत में तो नशे का धंधा अब देश के नामी-गिरामी शिक्षण संस्थानों तक फैल चुका है। बड़े शहरों की रेव पार्टियां, जहां महंगे होटल और फार्म हाउसों में धुआं, शराब और कोकीन की गंध में आधुनिक युवा वर्ग डूबा होता है, इस विघटन की वीभत्स तस्वीरें पेश करती हैं।

राजनीतिक संरक्षण और प्रशासनिक शिथिलता ने इन पार्टियों को लगभग 'छूट प्राप्त अड्डों' में बदल दिया है, जहां पुलिस की कार्रवाई महज दिखावा बनकर रह जाती है। रईसजादों के लिए नशे की संस्कृति 'स्टेटस सिंबल' और 'मॉडर्निटी' का पर्याय बन गई है। कोकीन जैसे पदार्थ, जिनमें गंध तक नहीं होती, उनके लिए नया फैशन स्टेटमेंट हैं, बिना यह समझे कि ये पदार्थ तंत्रिका तंत्र पर सीधा प्रहार करते हैं, और धीरे-धीरे शरीर और आत्मा को खोखला कर देते हैं। इस भयावह स्थिति को बढ़ावा देने वाला माध्यम है इंटरनेट। सूचना क्रांति का यह माध्यम नशीली दवाओं की उपलब्धता और प्रचार-प्रसार का प्लेटफॉर्म बन गया है।

भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में कॉलेज छात्रों की भागीदारी चालीस प्रतिशत से अधिक है, और इस आंकड़े में लड़कियों की संख्या भी चिंताजनक स्तर तक बढ़ चुकी है। अनेक कॉलेज परिसरों में स्थिति यह है कि छात्र अपने ही परिसर में नशा खरीद सकते हैं, जो किसी संगठित गिरोह की गतिविधि से कम नहीं। छात्रों का नशे की ओर झुकाव कई कारणों से होता है- साथियों के दबाव, मॉडर्न दिखने की चाह, रोमांच की तलाश या फिर अवसाद, चिंता और मानसिक अकेलेपन की स्थिति में। चौंकाने वाली बात यह है कि वे दवाएं, जिन्हें मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाया गया था, अब नशे के औजार के रूप में इस्तेमाल की जा रही हैं।

नशीली दवाओं के सेवन से शरीर पर अनेक घातक प्रभाव होते हैं-भूख मर जाना, वजन कम होना, आंखों में लाली और सूजन, कंपकंपी, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, अवसाद, ध्यान केंद्रित करने में असमर्थता और यहां तक कि एड्स जैसे संक्रमणों का खतरा भी। मादक पदार्थों का सेवन धीरे-धीरे व्यक्ति की इच्छाशक्ति को इस हद तक खत्म कर देता है कि वह इनका गुलाम बन जाता है। प्रारंभिक प्रयोग के बाद व्यक्ति पहले जैसी अनुभूति के लिए मात्रा बढ़ाता है और ऐसी अवस्था में पहुंच जाता है, जहां उसका अस्तित्व इन पर निर्भर हो जाता है।

समाज में व्याप्त यह भ्रांति कि नशे से सृजनात्मकता, सोचने की शक्ति, एकाग्रता और यौन शक्ति में वृद्धि होती है, भ्रामक और खतरनाक मिथक है। असलियत तो यह है कि नशे की गिरफ्त में व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी सोच-विचार की स्पष्टता खो देता है, उसकी निर्णय-क्षमता खत्म हो जाती है और उसके कार्य में तालमेल टूट जाता है। कोई भी रसायन, जो व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक क्रिया-प्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है।

देश में नशे का सबसे गंभीर पहलू यह है कि भारत नशे का उपभोक्ता नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय तस्करी के नक्शे पर प्रमुख 'ट्रांजिट रूट' भी बन चुका है। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, म्यांमार, ईरान और चीन जैसे देशों से होते हुए भारत के रास्ते मादक पदार्थ पश्चिमी बाजारों तक पहुंचते हैं। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट भी इस बात की पुष्टि करती है कि भारत की भौगोलिक स्थिति तस्करों के लिए सबसे सुगम मार्ग है।

यह व्यापार अब वैश्विक अर्थव्यवस्था का 15 प्रतिशत हिस्सा बन चुका है। भारत में इस पर लगाम लगाने के लिए नारकोटिक्स एक्ट जैसे कठोर कानून मौजूद हैं, लेकिन अपराधी अक्सर इन कानूनों की कमियों का लाभ उठा कर बच निकलते हैं। हमें स्वीकार करना होगा कि नशा अब व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आपदा है। इस आपदा से लड़ने का एक ही रास्ता है जनचेतना, सहयोग और सामूहिक संकल्प। यही वह क्षण है, जब हमें यह प्रण लेना होगा कि हम नशे के हर रूप, हर स्रोत और हर समर्थन के खिलाफ खड़े होंगे, बिना डरे, बिना रुके।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

उर्वरक विक्रय प्रतिष्ठानों का सतत् औचक निरीक्षण

दुर्ग। खरीफ2025 में जिले के कृषकों हेतु उच्च गुणवत्तायुक्त आदान सामग्री यथा- उर्वरक एवं बीज की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिये कृषि विभाग द्वारा सघन अभियान चलाते हुये जिले के निजी एवं सहकारी प्रतिष्ठानों का सतत् निरीक्षण किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में उर्वरकों की सतत् आपूर्ति हेतु जिले के विक्रय प्रतिष्ठानों का 11 जुलाई 2025 को उर्वरक निरीक्षकों द्वारा विकासखण्ड दुर्ग के 08 विक्रय प्रतिष्ठानों, पाटन के 04 विक्रय प्रतिष्ठानों तथा धमधा के 08 विक्रय प्रतिष्ठानों कुल 20 विक्रय प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान के अनुज्ञप्ति पत्र, समस्त दस्तावेज-स्कंध पंजी, बिल बुक, प्रतिष्ठान में विक्रय हेतु उपलब्ध उर्वरकों का पीओएस मशीन से मिलान कर अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान विकासखण्ड दुर्ग के ओम कृषि केन्द्र अंजोरा (ख), सिन्हा ट्रेडर्स अंजोरा (ख), चंद्राकर ट्रेडर्स मचांदुर एवं विकासखण्ड धमधा के बुरहानी एग्रो इण्डस्ट्रीज खपरी में उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के खण्डों के उल्लंघन पाये जाने पर कुल 04 विक्रय प्रतिष्ठानों में जब्ती की कार्यवाही की गई तथा विकासखण्ड दुर्ग के 05 विक्रय प्रतिष्ठानों, पाटन के 01 विक्रय प्रतिष्ठानों तथा धमधा के 03 विक्रय प्रतिष्ठानों कुल 09 विक्रय प्रतिष्ठानों में उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के खण्डों के उल्लंघन पाये जाने पर कारण बताओं नोटिस जारी कर समाधानकारक जवाब 03 दिवस के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिया गया है। जिले में कृषकों को खरीफ मौसम में मांग अनुसार गुणवत्तायुक्त प्रमाणित बीजों की आपूर्ति हेतु 27768 क्विंटल की मांग बीज निगम को प्रेषित की गई थी जिसके विरूद्ध अद्यतन 29489 क्विंटल बीजों का भण्डारण सहकारी समितियों में किया गया तथा 28604 क्विंटल बीजों का वितरण कृषकों को किया गया।

आयुक्त ने किया बड़े नालों सहित टूटे पाइपलाइन का निरीक्षण

भिलाई। जुनवानी रोड स्थित एम जे कॉलेज शमीपस्थ नाला में टूटे सप्लाई लाइन सहित नालों में चल रहे सफाई कार्य का निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के साथ निरीक्षण किए। जूनवानी रोड नाला निरीक्षण के दौरान स्थल पर मौजूद जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना को निर्देशित किए हैं कि सभी बड़े नालों सहित छोटे नालों का विशेष अभियान चलाकर सफाई कराया जाए। 3 दिवस पूर्व भारी बारिश के कारण नाला में टूटे सप्लाई लाइन का तत्काल सुधार हेतु सहायक अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा को निगम आयुक्त ने निर्देशित किये हैं । पाइपलाइन सुधार कार्य में 2 दिन लगने की संभावना है। जिससे कोहका स्थित हाउसिंग बोर्ड के सभी घरों में समयानुसार पानी मिलने लगेगी। पाइपलाइन टूटने के पश्चात तात्कालिक व्यवस्था के रूप में टैंकर से पेयजल आपूर्ति की जा रही है।

मदनवाड़ा में शहीद एसपी विनोद चौबे सहित 29 जांबाजों को दी श्रद्धांजलि, रिसाली के शहीद स्मारक में जुटे लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राजनांदगांव जिले के मदनवाड़ा में नक्सलियों से मुकाबला करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए तत्कालीन पुलिस अधीक्षक शहीद विनोद चौबे एवं उनके साथ शहीद हुए 28 अन्य जांबाज जवानों की 16वीं पुण्यतिथि पर उन्हें नमन कर श्रद्धाजंलि दी गई। रिसाली स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज रामगोपाल गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल की ओर से शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

सभी अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने दो मिनट का मौन रखकर मातृभूमि के लिए दिए गए उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक सत्य प्रकाश तिवारी, निरीक्षक राजेश सिंह, उप निरीक्षक डॉ. संकल्प राय, पुलिस पीआरओ प्रशांत कुमार शुक्ला, अन्य पुलिस अधिकारी, जवान एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शहीदों के परिजनों का कुशलक्षेम पूछा गया और उनकी स्मृतियों को सम्मानपूर्वक साझा किया गया।

गौरतलब है कि 12 जुलाई 2009 को मदनवाड़ा क्षेत्र में हुए भयानक नक्सली हमले में स्क्व विनोद चौबे सहित 29 पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। नक्सलियों द्वारा की गई घातक घेराबंदी के बावजूद इन वीर सपूतों ने अंतिम सांस तक डटकर मुकाबला किया। यह घटना आज भी छत्तीसगढ़ के इतिहास की सबसे दर्दनाक एवं वीरता भरी घटनाओं में से एक मानी जाती है।

विधायक चंद्राकर ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

शहीद चौक रिसाली में मदनवाड़ा कोरकोट्टी नक्सली हमले शहीद जवानों की 16 वीं पुण्यतिथि पर प्रेम संगवारी बहुदेशीय सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सम्मिलित हुआ और शहीद स्मारक पहुंचकर अमर शहीद रजनीकांत सिंह, अमर शहीद बी.के. चौबे व अमर शहीद अमित नायक सहित 29 जवानों को स्मरण कर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर शहीद के पिता बेचंद सिंह, शहीद की पत्नि पिंकी सिंह, बेटी अनुष्का सिंह, बेटी हंसिका सिंह उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले में सांसद प्रतिनिधि दीपक पप्पू चंद्राकर, समाजसेवी सोनू राम सिंह, रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू , मरोदा पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू राकेश जंघेल, नेता प्रति पक्ष शैलेंद्र कुमार साहू, वार्ड पार्षद धर्मेंद्र भगत, पार्षद सीमा साहू, पार्षद माया यादव, पार्षद, रमा साहू,अजीत चौधरी परमेश्वर महिलांग, राजूराम, अशपूरण चौधरी, पुनाराम कलिहारी, अजीत परिहार, संतोष कुशवाहा, विशाल ठाकुर, संस्कृति वर्मा, अमन शर्मा, सतीश दुबे ,लोरिक पाल, राजेंद्र यादव, शेष जांगड़े, सितारा विश्वकर्मा, शकुंतला दास बबली हिमांशु चंद्राकर सचिन गोस्वामी, गैंद लाल जंघेल नेमर नेताम, प्रनीता शर्मा, रणजीत यादव रणविजय सिंह, अरविंद शर्मा सहित प्रेम संगवारी बहुउद्देशीय संस्थान के सदस्य उपस्थित रहे।

सुमन कनोजे बनीं महिला चेम्बर भिलाई की अध्यक्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की महिला इकाई की अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी अब सुमन कनोजे को सौंपी गई है। प्रदेश महामंत्री अजय भसीन व भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्रा पदभार की जिम्मेदारी सौपते हुए बताया कि सुमन कनोजे की सामाजिक सक्रियता, नेतृत्व क्षमता और व्यापारिक क्षेत्र में योगदान को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया।

उन्होंने बताया कि महिला चेम्बर भिलाई के संरक्षक पद पर वरिष्ठ गीता वर्मा व प्रभारी महिला चेम्बर सरोजनी पाणिग्रही को मनोनीत किया गया है। नव-निर्वाचित अध्यक्ष सुमन कनोजे ने पदभार ग्रहण करते हुए कहा कि वे महिला उद्यमियों को आगे बढ़ाने, उनके प्रशिक्षण, सशक्तिकरण और व्यापारिक अवसरों के विस्तार हेतु ठोस कार्य योजनाएं लागू करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि चेम्बर की महिला इकाई महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने हेतु जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं और नेटवर्किंग मंच प्रदान करेगी।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज की कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद की सूची भी जारी की गई। महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि वरिष्ठ उपाध्यक्ष व उपाध्यक्ष के पद के साथ क्षेत्र का प्रभार भी सौपा गया है ताकि क्षेत्र व चेम्बर के बीच समन्वय सुदृढ हो सके।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष की सूची में सर्व प्रेम रतन गहलोत,नरेश वासवानी,विकास सिंघल,चिन्ना राव सुषमा जेठानी को भिलाई 3 क्षेत्र,दर्शन खटवानी, मुकेश जैन,विनोद प्रसाद, राजकुमार जायसवाल,सरमद इमाम,उत्तम जैन, कैलाश नाहटा,हुबलाल चंद्राकर, अखराज ओस्तवाल,राजेश शर्मा,पवन अग्रवाल,हरीश शर्मा को शामिल किया गया। उपाध्यक्ष पद पर कैलाश बत्रा, विनोद वासवानी,भूषण अदलखा,पवन अग्रवाल गणपति किराना,मनोज जैन,मो अब्बास, संतोष जायसवाल,मुकेश त्रिपाठी, राजीव गुप्ता,सुखदेव सिंह,मनोज मखीजा, एस समन,मनोहर लाल थडानी, आशीष हमदेव,देवेंद्र सिंह बरहा, सुरेश होतवानी, रॉकी अग्रवाल,संजय नायक, उमेष श्रीवास्तव, अनुराग गुप्ता,विशाल राठौर, सुनील अग्रवाल, अनिल ठाकुर, अँजेश अग्रवाल,दुर्गेश पवार,अनिल खन्ना,रामा राव,सुशील जैन,नरेंद्र मखीजा,पुखराज जैन,सुभाष साहू को जिम्मेदारी दी गई है।

चेम्बर के अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्रा, अजय भसीन,अनिल अग्रवाल,मनोहर कृष्णानी,सुनील मिश्रा, शंकर सचदेव व वरिष्ठ पदाधिकारियों ने श्रीमती कनोजे एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष व उपाध्यक्ष सभी पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में चेम्बर नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना शंकर सचदेव ने दी।

इस्पात नगर रिसाली के महामृत्युंजय धाम में तीन दिवसीय महारुद्राभिषेक शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात नगर रिसाली स्थित सांई मंदिर के बाजू में स्थापित महामृत्युंजय मंदिर में आज सुबह से महारुद्राभिषेक शुरू हो गया है। सुबह 9 बजे से श्रद्धालुओं ने पूजा आरंभ की। पूजा आज शाम 5 बजे से फिर होगी। तीन दिन आज, कल? 13 और 14 के कार्यक्रम में काल सर्प दोष, पितृदोष एवं मंगलदोष निवारण के लिए भी हवन पूजन किया जाएगा।

पंडित आचार्य श्रीनिवास ने बताया कि 108 शिवलिंग से महारुद्राभिषेक होगा। साथ ही सहस्त्र रूद्राक्ष से शिवलिंग बनाकर अभिषेक किया जाएगा। तीन दिवसीय हवन-पूजन को विधि-विधान से संपन्न कराने दक्षिण भारत से पंडितों की टीम आई है।

तीनों दिन पूजा का समय सुबह 8 से 12 बजे तक और शाम को 5 से 7 बजे तक रहेगा। आचार्य श्रीनिवासुलू ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्रावण मास में भगवान शिवजी का आशीर्वाद प्राप्त करने का अनुरोध किया है।

डिजिटल फसल सर्वेक्षण हेतु व्यापक तैयारी, सर्वेक्षणकर्ताओं को प्रति खसरा 10 रुपये की दर से होगा भुगतान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारत सरकार कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग द्वारा राज्य में एग्रीस्टेक परियोजना अंतर्गत डिजिटल फसल सर्वेक्षण 2025-2026 के तहत् जिले के 337 ग्राम में खरीफ वर्ष 2025-26 में लगाये गए फसलों का डिजिटल सर्वेक्षण किया जाना है।

सर्वेक्षण कार्य हेतु प्रत्येक ग्राम में 20 सर्वेक्षणकर्ताओं की नियुक्ति की जाएगी तथा सर्वेक्षण कार्य किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत वर्ष डिजिटल फसल सर्वेक्षण 2024-25 अंतर्गत रबी एवं खरीफ फसलों का सर्वेक्षण किया गया। जिसमें ग्राम से ही सर्वेक्षणकर्ताओं की नियुक्ति की गई थी। इस कार्य हेतु सर्वेक्षणकर्ताओं को प्रति खसरा 10 रूपये की दर से भुगतान किया गया। डिजिटल फसल सर्वेक्षण रबी 2025 के तहत् तहसील धमधा के अंतर्गत 61 ग्राम के कुल 68687 खसरों के डिजिटल सर्वे हेतु 6,86,870 रूपयें की राशि का आबंटन किया गया। धमधा तहसील के ग्राम खिलोरा कलान के रितिक पटेल ने 2229 खसरा का सर्वेक्षण किया जिसके लिए उन्हें 22290 रूपए का भुगतान किया गया। इसी प्रकार ग्राम खैरझिटी ग्राम के आदित्य कुमार वर्मा ने 1645 खसरों का डिजिटल फसल सर्वेक्षण किया जिसके लिए उन्हें 16450 रूपए का भुगतान किया गया।

इसी क्रम में इस वर्ष जिले के 5 तहसीलों में डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए चयनित सर्वेक्षणकर्ताओं को तहसील अंतर्गत निरीक्षण मण्डल स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान की जाएगी। सर्वेक्षणकर्ताओं को प्रत्येक दिवस 25 खसरा सौंपा जाएगा। कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता के आधार पर अगले दिन के लिए नवीन खसरा आबंटित किया जायेगा। सर्वेक्षण कार्य की कुशलता को देखते हुए किसी दिवस विशेष में बार-बार भी खसरा आबंटित किया जा सकेगा। यह आबंटन पहले आओ, पहले पाओं के सिद्धांत के आधार पर किया जाएगा।

इसके लिए सर्वेक्षणकर्ताओं को प्रति खसरा 10 रूपये की दर से संबद्ध बैंक खातों के माध्यम से भुगतान किया जाएगा। ज्ञात हो कि सर्वेक्षणकर्ता द्वारा डिजिटल फसल सर्वेक्षण के अंर्तगत की गई प्रविष्टियों का सत्यापन संबंधित राजस्व निरीक्षक द्वारा प्रविष्टि के दो दिन के भीतर किया जाना अनिवार्य होगा एवं सर्वेक्षण अंतर्गत किये गए कार्य की जॉच शीघ्र अतिशीघ्र संबंधित तहसीलदार/नायब तहसीलदार द्वारा की जाएगी।

कोर्ट प्रकरणों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर कृषक पंजीयन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी पात्र कृषकों का पंजीयन प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर अभिजीत ने कहा कि कृषक पंजीयन, कृषि क्षेत्र के डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और सरकारी योजनाओं का लाभ किसानों तक सीधे पहुँच सकेगा।

उन्होंने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि किसान स्वयं, मोबाइल ऐप, कॉमन सर्विस सेंटर या पटवारी की मदद से शीघ्रता से पंजीयन कराएं। बैठक में यह जानकारी दी गई कि पिछले वर्ष 1,14,000 किसानों ने पंजीयन कराया था, जबकि इस वर्ष अब

तक केवल 63,435 किसानों ने ही पंजीयन कराया है। कलेक्टर ने लक्ष्य पूर्ण करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। कृषक पंजीयन में सभी कृषि भूमि का विवरण भू-अभिलेख के अनुसार सुनिश्चित किया जा सकेगा। मृतक भूस्वामी के स्थान पर वारिसान भूस्वामी का नाम दर्ज करने की सुविधा होगी। प्रत्येक भूखण्ड एक या एक से अधिक भूधारक के नाम दर्ज होगा। प्रत्येक भूस्वामी का आधार नंबर प्रविष्टि होगा। भूमि के खरीदी ब्रिकी, उत्तराधिकारी या बंटवारा के माध्यम से भू-अभिलेख दुरूस्त किए जाने पर स्वत: अद्यतन होगा।

बैठक में राजस्व संबंधी विभिन्न कार्यों की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, नक्शा बटांकन, डायवर्सन, और राजस्व वसूली की स्थिति की जानकारी ली और इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक तहसीलदार पाँच गाँवों का चयन कर वहाँ के भू-अभिलेखों की त्रुटियों की पहचान करें और उनका समयबद्ध सुधार करें। साथ ही डिजिटल हस्ताक्षर, आधार और मोबाइल नंबर की प्रविष्टि कार्यों को प्राथमिकता के साथ प्रतिदिन अपडेट करने के निर्देश दिए। धान खरीदी की तैयारी को लेकर भी कलेक्टर ने विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने बताया कि जिले में वर्तमान में 87 धान खरीदी केंद्र संचालित हैं और नये केंद्रों के लिए गाँवों के समीप ही भूमि चिन्हित की जाए, जिससे खरीदी के समय किसी प्रकार की दिक्कत न हो। इसके साथ ही जलभराव की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अस्थायी राहत शिविरों की पहचान करने तथा वहाँ रहने, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं को पहले से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विवादित नामांतरण प्रकरणों को शीघ्र निपटाने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि एक पटवारी के पास दो से अधिक हल्के नहीं होने चाहिए।

सीमांकन प्रतिवेदन की तिथि निर्धारित कर कार्य शीघ्र पूर्ण कराने और नक्शा बटांकन कार्यों के लिए टीम बनाकर तत्परता से कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने गिरदावरी सर्वेयर और राजस्व निरीक्षकों का प्रशिक्षण इसी माह आयोजित कराने के निर्देश भी दिए। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषक योजना के तहत पात्र हितग्राहियों की सूची अद्यतन करने, अपात्र लोगों को लाभ न मिले इस पर विशेष ध्यान देने, और भू-आबंटन प्रकरणों की जानकारी एकत्र कर चिन्हांकित स्थलों का निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा गया। नजूल पट्टा नवीनीकरण, नजूल राजस्व बकाया की वसूली और लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर जोर दिया गया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

निगम ने सुलभ शौचालय की सफाई करवाकर दिया सकारात्मक सन्देश

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में चलाये जा रहे सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के जोन क्रमांक 8 के अंतर्गत माधव राव सप्रे वार्ड क्रमांक 69 के तहत महादेवघाट रायपुरा में सुलभ शौचालय की अभियानपूर्वक सफाई करवाकर सफाई मित्रों द्वारा जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल, जोन 8 स्वच्छ भारत मिशन नोडल अधिकारी सहायक अभियंता फहराज फारूखी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन, स्वच्छता निरीक्षक रितेश झा की उपस्थिति सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत जनजागरण अभियान चलाकर जन- जन को स्वच्छ शौचालय का सकारात्मक सन्देश दिया गया।

निगम के स्वास्थ्य विभाग ने गन्दगी फैलाने वालों से वसूला जुर्माना

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 2 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन 2 क्षेत्र में जोन कमिश्नर डॉ. आरके डोंगरे के मार्गदर्शन और जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया की उपस्थिति में गन्दगी फैलाने से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने विभिन्न दुकानों की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गन्दगी सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत सही पाए जाने पर सम्बंधित दुकान संचालकों को भविष्य के लिए कड़ी कार्यवाही की चेतावनी देते हुए कुल 20900 रुपये ई जुर्माना वसूला गया और प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया।

अग्निशमन विभाग और इंडियन नेवी ने निकाली भर्ती

रायपुर। छत्तीसगढ़ के छात्र नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर केंद्रीय क्षेत्रीय छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत 1387 छात्रों को लाभ मिलेगा। जिन छात्रों ने इस वर्ष स्नातक में प्रवेश लिया है और जिन्होंने 80 परसेंटाइल या न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, वे 31 अक्टूबर 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए आपको पोर्टल पर जरूरी जानकारी मिल जाएगी, जैसे कि आवेदन कैसे करना है, इसके लिए नियम क्या हैं और बाकी सवालों के जवाब। छत्तीसगढ़ अग्निशमन विभाग में स्टेशन ऑफिसर, फायरमैन, ड्राइवर, मैकेनिक, ऑपरेटर आदि के 295 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक उम्मीदवार 31 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। फायरमैन के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं, स्टेशन ऑफिसर के लिए बीएससी या बीई तथा अन्य पदों के लिए अलग-अलग शैक्षणिक योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। भारतीय नौसेना ने नेवल सिविलियन ग्रुप बी और ग्रुप सी के 1110 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। योग्य उम्मीदवार 18 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं।

डीएमएफ फंड से होगा रायपुर का विकास, हर स्कूल में स्मार्ट क्लास की तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिले में समग्र और संतुलित विकास के उद्देश्य से जिला खनिज न्यास (DMF) फंड का योजनाबद्ध और पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। आज रायपुर जिला खनिज न्यास शासी परिषद की बैठक में इस आशय के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। बैठक में यह तय किया गया कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में जनहितैषी, परिणामदायी योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार हो सके।

स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं पर फोकस बैठक में निर्णय लिया गया कि DMF फंड से स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, पोषण और जल संरक्षण

जैसे बुनियादी क्षेत्रों में योजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी। आंगनबाड़ी केंद्रों के उन्नयन और नए निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी। हर स्कूल में स्मार्ट क्लास की स्थापना के साथ PHC और CHC केंद्रों का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। प्रार्थना शेड, बारबेड वायरिंग, शौचालय निर्माण और पौधारोपण जैसे कार्यों को भी तेजी से पूरा किया जाएगा।

CSR फंड का प्रभावी उपयोग बैठक में यह भी तय किया गया कि कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) फंड का 50% हिस्सा सरकारी फंड में और शेष राशि से कंपनियां स्वयं सामाजिक कार्य करेंगी, ताकि उसका प्रभाव धरातल पर दिखाई दे। जल संरक्षण और नवाचार को बढ़ावा परित्यक्त खदानों में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए जाएंगे। इसके साथ ही वाटर क्रिटिकल जोन में कॉकपिट तकनीक जैसे नवाचारों को बल दिया जाएगा।

ह्यूमन चेन से हर विधानसभा में पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनोखी पहल के तहत जिले की हर विधानसभा क्षेत्र में 'ह्यूमन चेन' बनाकर पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। बैठक में मंत्री टंक राम वर्मा, विधायक गुरु खुशवंत साहेब, अनुज शर्मा, पुरंदर मिश्रा, सांसद सुनील सोनी, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्यगण सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि DMF फंड जनता की धरोहर है और इसका उपयोग प्रत्येक नागरिक के जीवन को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा, यही शासन की प्राथमिकता है।

घर में जलभराव ना हो, इसके लिए सभी जोन कमिश्नर हर सम्भव प्रयास करें-महापौर चौबे

आगामी गर्मी में अच्छी पेयजल व्यवस्था देने अभी से तैयारी प्रारम्भ कर दें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महापौर मीनल चौबे एवं आयुक्त विश्वदीप ने निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में नगर निगम जल कार्य विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश सभी जोन कमिश्नरो को दिये। महापौर मीनल चौबे ने स्पष्ट निर्देशित करते हुए कहा है कि यह जोन कमिश्नरों की जिम्मेदारी है कि उनके जोन क्षेत्र के वार्डों में किसी भी घर में बारिश में जलभराव ना हो। इसके लिए जोन कमिश्नर अपनी टीम सहित यथासम्भव प्रयास करें। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि समस्त जोन के अंतर्गत सभी वार्डो को स्वच्छ, सुन्दर, विकसित और व्यवस्थित बनाने की दिशा में वार्ड पार्षदों से समन्वय बनाकर हरसम्भव आवश्यक प्रशासनिक कार्य करवाना सभी जोन कमिश्नरो की जिम्मेदारी है। इस हेतु सभी जोन कमिश्नर जोन क्षेत्र में अपनी टीम सहित इस जिम्मेदारी को निमाने ईमानदारी से मेहनत की पराकाष्ठा करते हुए कर्तव्य का निर्वहन करें।

महापौर ने सभी जोन कमिश्नरों को निर्देशित किया है कि वे जोनो के जल विभाग के अभियंतागण को वार्डों में फील्ड पर लगाकर आगामी वर्ष 2026 में गर्मी की तैयारियों को अभी से करवाना प्रारंभ कर दें। किसी भी जोन के वार्ड में जल समस्या को दूर करने से सम्बंधित कार्य में कोई लापरवाही कदापि सहन नहीं की जाएगी। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने सभी जोन कमिश्नरो को रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के सभी 10 जोनो के 70 वार्डों में स्थित निजी बिल्डरो, कालोनाईजरों की निजी

आवासीय कालोनियों में रहवासियों हेतु रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा की जा रही पेयजल व्यवस्था के संबंध में जानकारी अगले एक सप्ताह के भीतर देने के निर्देश दिये है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने जोन कमिश्नरों एवं कार्यपालन अभियंताओं को विगत दिनो हुई तेज बारिश में सड़कों में हुए गड्ढों को पाटने का कार्य सभी जोनो में करवाने के निर्देश दिये है, ताकि नागरिकों और वाहन चालकों को सुगम यातायात हेतु किसी प्रकार की असुविधा राजधानी शहर क्षेत्र में ना होने पाये।

महापौर ने गर्मी के बाद वर्षाकाल में जलजनित रोगों की कारगर रोकथाम हेतु शहर में लगभग 2200 पावर पंपों एवं लगभग 700 हैण्डपंपो में पूर्व में दिए गए निर्देशानुसार 3 चरणों में ब्लीचिंग पाउडर का घोल डालकर अभियान चलाते हुए डिसइन्फेक्शन कार्य प्राथमिकता से करवाये जाने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश सभी जोन कमिश्नरों को दिये। इसके अंतर्गत पावर पम्प और हैंडपम्प को डिसइन्फेक्शन किये जाने 2 चरण पूरे किये जा चुके हैं। तीसरा चरण 30 जुलाई 2025 को एक साथ 10 जोनो के 70 वार्डों में किया जाना प्रस्तावित है। महापौर ने इस संबंध में वर्षा काल में जलजनित रोगों की कारगर रोकथाम के सम्बन्ध में व्यापक अभियान सभी पावर पम्प और हैंड पाप में चलाने हेतु सभी जोन कमिश्नरों को आवश्यक निर्देश दिये हैं।

आयुक्त विश्वदीप ने सभी जोन कमिश्नरों को महापौर द्वारा दिये गये समस्त निर्देशों का पालन जोनों और वार्डों में करवाने हेतु निर्देशित किया है। आयुक्त ने बाजार क्षेत्रों एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में गंदगी फैलाकर अस्वास्थ्यकर वातावरण फैला रहे संबंधित व्यक्तियों और दुकानदारों पर शहर में स्वच्छता व्यवस्था सुधारने लगातार ई जुर्माना करने की कार्यवाही सघन अभियान चलाकर सुनिश्चित करने के निर्देश सभी जोन कमिश्नरों को दिये हैं।

आयुक्त ने वार्डों में जलभराव की समस्या रोकने आवश्यक कार्यवाही करने एवं मानसून के दौरान विशेष सतर्कता और जागरूकता बनाये रखने के निर्देश सभी जोन कमिश्नरों को दिये है। आयुक्त ने गर्मी के दौरान जलसंकट से ग्रस्त रहे क्षेत्रों में आगामी ग्रीष्म ऋतु प्रारंभ होने के पूर्व अच्छी पेयजल व्यवस्था प्राथमिकता से कायम करने आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिये है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे एवं आयुक्त विश्वदीप द्वारा निगम जलकार्य एवं स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान जलकार्य विभाग अध्यक्ष संतोष सीमा साहू स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, लोककर्म विभाग अध्यक्ष दीपक जायसवाल, अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, मुख्य अभियंता यूके, घलेन्द्र, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, सभी जोन कमिश्नर, कार्यपालन अभियंता, जोन स्वास्थ्य अधिकारीगण की उपस्थिति रही।

विधायक मोतीलाल ने ग्रीन आर्मी के पदाधिकारियों के साथ किया पौधरोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 10 के वार्ड क्रमांक 53 के अंतर्गत हिमालयन हाइट्स देवपुरी के समीप मियावाकी वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

इस अभियान के अंतर्गत नगर निगम उद्यानिकी और पर्यावरण विभाग के तत्त्वावधान में नगर निगम जोन 10 के सहयोग से रखे गए संक्षिप्त सघन वृक्षारोपण अभियान में पहुंचकर रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने नगर निगम पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग के अध्यक्ष भोलाराम साहू, पार्षद विनय पंकज निर्मलकर, गायत्री नौरंगे, ग्रीन आर्मी ऑफ रायपुर के प्रदेश अध्यक्ष अमिताभ दुबे, पदाधिकारी गुरदीप टुटेजा, उपस्थित सभी पदाधिकारियों, नगर निगम जोन 10 जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, कार्यपालन अभियंता दिनेश सिन्हा,उप अभियंता सुरेन्द्र श्रीवास, अजय श्रीवास्तव, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित जोन सहायक राजस्व अधिकारी गौरीशंकर साहू, ,गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति के मध्य नगर निगम रायपुर द्वारा स्थल पर पौधरोपण हेतु करवाई गयी गड्ढाँ, फेंसिंग व्यवस्था सहित पौधा रोपित किया। कटहल और अन्य विभिन्न प्रजातियों के 1500 पौधे रोपित कर सबने सहभागिता के माध्यम से लगाए गए सभी पौधों की सुरक्षा और देखभाल अपनी संतान की तरह करने का सामूहिक संकल्प ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू के नेतृत्व में समाजहित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से लिया। इस अवसर पर ग्रीन आर्मी ऑफ रायपुर के प्रदेश अध्यक्ष अमिताभ दुबे सहित सभी उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा रायपुर नगर निगम पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग और नगर निगम जोन 10 का 2 वर्ष तक लगाए गए प्रत्येक पौधे के वृक्ष बनते तक उसकी देखभाल और सुरक्षा के लिए सहभागिता दर्ज करवाने का संकल्प लिया गया।

निगम ने रायपुर को श्रेष्ठ स्वच्छता रैंकिंग दिलाने लोगों से की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी 10 जोनों और 70 वार्डों में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान अंतर्गत नागरिकों के मध्य स्वच्छता को लेकर जनजागरण किया जा रहा है।

सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नगर निगम जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर और जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल, माधव राव सप्रे वार्ड क्रमांक 69 के पार्षद महेन्द्र औसर के मार्गनिर्देशन और स्वच्छ भारत मिशन जोन 8 नोडल अधिकारी सहायक अभियंता फहराज फारूखी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन, स्वच्छता निरीक्षक रितेश झा की उपस्थिति में नगर निगम जोन 8 क्षेत्र अंतर्गत माधव राव सप्रे वार्ड 69 क्षेत्र अंतर्गत महादेवघाट रायपुरा में नागरिकों और दुकानदारों के मध्य स्वच्छता जनजागरण अभियान चलाया. नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा स्वच्छता जनजागरूकता अभियान चलाकर सभी दुकानदारों से अपनी दुकानों में 3 पृथक डस्टबिन हरे, नीले और काले रंग के रखकर हरे में गीला, नीले में सूखा और काले रंग के डस्टबिन में हानिकारक कचरा पृथक करके रखकर उसे निष्पादित करने सफाई मित्र को सफाई वाहन में देने का सामूहिक संकल्प रायपुर शहर को स्वच्छ शहर बनाकर राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2024 में शहर को श्रेष्ठ स्वच्छता रैंकिंग दिलवाने सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाने के लिए की गई अपील।

वन बंधु परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व आमसभा का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन बंधु परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक एवं वार्षिक आमसभा का आयोजन आज राजधानी रायपुर स्थित जैनम भवन में प्रारंभ हुआ,उक्त जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी कविता राठी ने बताया कि आयोजन में पद्मश्री रामेश्वर लाल काबरा भी उपस्थित रहेंगे एवं आयोजन को सफल बनाने हेतु रायपुर चैप्टर सहित बिलासपुर,धमतरी,दुर्ग सब चैप्टर के पदाधिकारियों के साथ 10 से अधिक व्यवस्था समिति बनाई गई है। प्रदेश उपाध्यक्ष अनिता खंडेलवाल ने बताया कि पूरे देश

के 46 चैप्टर और सब चैप्टर से लगभग 300 पदाधिकारी छत्तीसगढ़ पहुंच रहे है जहां वे प्रदेश की संस्कृति, लोककला एवं पर्यटन स्थल से परिचित होंगे। शुक्रवार को गवर्निंग बोर्ड की बैठक हुई जहां वनवासियों के हित में कार्य करने हेतु महत्वपूर्ण रणनीति बनाई गई।

वही शनिवार रात को रानी अहिल्या बाई होलकर की जीवनी पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित है। बैठक के पश्चात चम्पारण में महाप्रभु वल्लभाचार्य जी का प्राकट्य स्थान दर्शन एवं कैवल्यधाम यात्रा के पश्चात 14 जुलाई को वनयात्रा हेतु प्रदेश के पदाधिकारी रवाना होंगे। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश सरावगी,कार्यकारी अध्यक्ष रमेश माहेश्वरी,महामंत्री गीता मुंदडा, महिला समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष विनीता जाजू,राष्ट्रीय सहसचिव घनश्याम मुंदडा,प्रांतीय अध्यक्ष बजरंगलाल अग्रवाल,कार्यकारी अध्यक्ष दीपक भीमसरिया,रायपुर चैप्टर संरक्षक कमल सारडा,चंदन जैन, अनिल डागा,कांता सिंघानिया, सरिता रखनी, अनिल मुंदडा,दिव्यम अग्रवाल,बिंदिया अग्रवाल, किरण अग्रवाल उपस्थित रहे।

शाला प्रवेश उत्सवः सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का किया स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के टिकरापारा स्थित शहीद संजय यादव शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में शाला प्रवेश उत्सव 2025 के अंतर्गत गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने स्वयं उपस्थित होकर विद्यालय में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर एवं मां सरस्वती का आशीर्वाद दिलाकर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने हेतु एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत एक पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। साथ ही, मिनी साइंस सेंटर का लोकार्पण कर विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि जाग्रत करने का प्रयास किया गया।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने विद्यार्थियों को गणवेश एवं पाठ्य पुस्तकें भेंट कर उन्हें शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल कूद और एक्स्ट्रा क्रिकुलर एक्टिविटीज में शामिल रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा जैसे पढ़ाई दिमाग को तंदरुस्त रखती है वैसे ही खेल कूद से शरीर स्वास्थ्य रहता है। उन्होंने शिक्षकों को भी विद्यार्थियों की रुचि के अनुरूप उन्हें करियर सिलेक्शन में मदद करने की सलाह दी।

विद्यालय की आवश्यकताओं को देखते हुए सांसद श्री अग्रवाल ने विद्यालय के विभिन्न विकास कार्यों के लिए 5 लाख की घोषणा की। साथ ही, स्कूल के पास स्थित फायर ब्रिगेड की जमीन को खेल मैदान के रूप में विकसित करने की घोषणा की, जिससे विद्यार्थियों को खेलकूद की बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें। इस अवसर पर सुभाष तिवारी, जोन अध्यक्ष बद्री गुप्ता, जोन अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल, पार्षदगण रमेश सपहा, मनोज सपहा, स्वप्निल मिश्रा, प्रवक्ता अमित साहू, मंडल अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा एवं प्राचार्य शुभ्रा तिवारी समेत विद्यालय परिवार, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

सड़क बाधा करने पर ई-जुर्माना वसूला

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल, सहायक अभियंता फरहज फारूकी, नगर निवेश उप अभियंता लोचन चौहान सहित जोन 8 नगर निवेश विभाग की टीम की स्थल पर उपस्थिति में अवैध निर्माण और स्वीकृति के विपरीत निर्माण कार्यों के प्रकरणों में सतत निरन्तर कार्यवाही की जा रही है। इस क्रम में रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 क्षेत्र अंतर्गत शहीद भगत सिंह वार्ड क्रमांक 21 क्षेत्र अंतर्गत आशा देवी पंचारिया कैलाशचंद्र पंचारिया द्वारा लगभग 1500 वर्गफीट भूखंड में गैर आवासीय क्षेत्र में स्वीकृति के विपरीत किए गए निर्माण को तोड़ने की कार्यवाही की गई। साथ ही सम्बंधित स्थल में नियमानुसार पार्किंग की समुचित व्यवस्था करने के लिए हिदायत दी गई। इसी तरह नगर निगम जोन 8 क्षेत्र अंतर्गत जोन नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा संपति का विरूपण किये जाने के प्रकरण में 10000 रुपये का तथा सड़क बाधा करने पर 4000 रुपए का ई जुर्माना वसूलने की कार्यवाही की गई।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

टीवी से बॉलीवुड तक, एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने कैसे तय किया स्टारडम का रास्ता

क्या अब कोई ऐसा है जो मृणाल ठाकुर को नहीं जानता? अगर आपने यह सवाल 2012 में पूछा होता, तो शायद बहुत से लोग उनका नाम भी नहीं सुनते। लेकिन, टीवी से अपने करियर की शुरुआत करने वाली इस अभिनेत्री ने 2025 तक सबका दिल जीतना सुनिश्चित कर लिया है।

आइए आपको उनके इस बदलाव के सफर पर ले चलते हैं, जो न सिर्फ प्रेरणादायक है, बल्कि यह भी साबित करता है कि जिंदगी में जोखिम जरूर उठाना चाहिए। मृणाल ठाकुर का करियर 2012 में शुरू हुआ था, जहाँ उन्होंने मुझसे कुछ कहती है ये खामोशियाँ में गौरी भोसले के रूप में डेब्यू किया था। उस समय वह कॉलेज में ही थीं। उन्हें 2014 में कुमकुम भाग्य में बुलबुल अरोड़ा की भूमिका में एक सफल भूमिका मिली। वह मुख्य किरदार में नहीं थीं, फिर भी वह घर-घर में पहचानी जाने लगीं। कम स्क्रीन टाइम के कारण उन्होंने यह शो छोड़ दिया।

इसके बाद, 2016 में टीवी से संन्यास लेने से पहले, वह कुछ रियलिटी शो और एक इंडोनेशियाई धारावाहिक में दिखाई दीं। मृणाल ठाकुर ने 2018 में लव सोनिया से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। यह मानव तस्करी पर आधारित एक अंतर्राष्ट्रीय परियोजना थी। उन्होंने फिल्म में शानदार अभिनय किया और अपने अभिनय के लिए खूब वाहवाही बटोरी। फिर उन्हें सबसे बड़ा मौका मिला, ऋतिक रोशन के साथ एक फिल्म, सुपर 30। यह उनकी पहली मुख्यधारा की बॉलीवुड फिल्म थी, और उन्होंने उनकी ऑन-स्क्रीन प्रेमिका की भूमिका निभाई।

इसके बाद, उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 2019 में, उन्होंने जॉन अब्राहम के साथ अपनी दूसरी मुख्यधारा की फिल्म, बाटला हाउस में अभिनय किया। खैर, COVID-19 अवधि में, उन्हें नए प्लेटफॉर्म और विविध शैलियों को तलाशने का मौका मिला। उन्होंने नेटफ्लिक्स पर घोस्ट स्टोरीज़ के साथ प्रयोग किया और फिर 2021 की स्पोर्ट्स ड्रामा तूफ़ान में फरहान अख्तर की प्रेमिका की भूमिका भी निभाई। वह 2022 में शाहिद कपूर की जर्सी का भी हिस्सा थीं।

जन्मदिन स्पेशलः बॉबी और अक्षय के साथ बॉलीवुड में दी दस्तक, ऐसा रहा अभिनेत्री उर्वशी शर्मा का करियर

'नकाब' से बॉलीवुड में दस्तक देने वाली मॉडल से अभिनेत्री बनी उर्वशी शर्मा को 'एक दिन तेरी बाहों में' गीत से दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म में उनकी आकर्षक मौजूदगी और डायलॉग डिलीवरी ने खास पहचान दिलाई। वह एक खुले विचारों वाले पंजाबी परिवार से हैं और अपने हर फैसले, जैसे मॉडलिंग शुरू करना और लिव-इन रिलेशनशिप, को लेकर बेबाक रही हैं।

कुछ मिलती जुलती सी कहानी सोनल सहगल की भी है। सोनल अभिनेत्री होने के साथ ही अच्छी सिंगर और गीतकार भी हैं। दोनों ही हुनरमंद 13 जुलाई को जन्मी हैं। 'नकाब' के बाद उर्वशी का करियर ज्यादा लंबा नहीं चला, और कुछ फिल्मों के बाद उन्होंने अभिनय से दूरी बना ली। उर्वशी शर्मा का जन्म 13 जुलाई 1984 को दिल्ली में हुआ था। उन्होंने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की और पॉन्ड्स, गार्नियर जैसे ब्रांड्स के लिए विज्ञापनों में काम किया। उन्होंने आतिफ असलम के म्यूजिक वीडियो 'दूरी' में भी अभिनय किया, जो ब्लॉकबस्टर हिट रहा। नकाब फिल्म के लिए उन्हें 'फिल्मफेयर बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड' के लिए नामांकित किया गया था। इसके अलावा उन्होंने 'खट्टा मीठा' (2010) में अक्षय कुमार की छोटी बहन का किरदार निभाया था।

बॉलीवुड में फिल्मों के अलावा उर्वशी शर्मा ने टेलीविजन में भी अपना हाथ आजमाया। 2008 में प्रसारित रियलिटी शो 'फीयर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी' की फाइनलिस्ट थीं। उन्होंने 2016 में जीटीवी के शो 'अम्मा' में मुख्य भूमिका निभाकर टेलीविजन पर वापसी की, लेकिन यह शो ज्यादा सफल नहीं रहा। अभिनेता और बिजनेसमैन सचिन जोशी के साथ ढाई साल तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के बाद उन्होंने 2012 में शादी की। शादी के बाद उन्होंने अपना नाम रैना जोशी रख लिया। अब उनके दो बच्चे हैं।

उर्वशी शर्मा का करियर भले ही बॉलीवुड में छोटा रहा, लेकिन उनकी शुरुआती सफलता और बेबाक व्यक्तित्व ने उन्हें यादगार बनाया। वह अब अपनी फैमिली लाइफ और बच्चों के साथ समय बिता रही हैं। वहीं, टेलीविजन और फिल्मों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी अभिनेत्री सोनल सहगल का जन्मदिन 13 जुलाई को है। वह एक भारतीय अभिनेत्री, गायिका और गीतकार हैं। सोनल सहगल ने अपने करियर की शुरुआत 2001 में टेलीविजन से की थी। वह स्टार प्लस के लोकप्रिय धारावाहिक 'सारा आकाश' (2003-2005) में संजना मलिक के किरदार से घर-घर में मशहूर हुईं। उनकी मासूम और प्रभावशाली अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

सोनल को संगीत से गहरा लगाव है। उन्होंने हिंदी और पंजाबी म्यूजिक एल्बम में काम किया है और जस्सी बी, पंकज उधास, बैली सागो और हरभजन मान जैसे प्रसिद्ध गायकों के साथ सहयोग किया है। उन्होंने फिल्म 'फ्यूचर तो ब्राइट है जी का टाइटल ट्रैक भी लिखा था। सोनल ने बॉलीवुड फिल्म 'गजनी' में एक सहायक अभिनेत्री के रूप में काम किया, जिसमें आमिर खान मुख्य भूमिका में थे। इसके अलावा, वह 'आशाएं,' 'दम मारो दम,' और 'मंटो' जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। 1981 में जन्मीं सोनल सहगल 42 साल की उम्र में भी अपनी खूबसूरती और ग्लैमरस अंदाज के लिए जानी जाती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें काफी पसंद की जाती हैं।

टीवी और मोबाइल से पहले, सिनेमा हॉल में देखी फिल्में दिलो दिमाग पर छा जाती थीं: काजोल

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री काजोल 'बाजीगर', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'गुप्त', 'इश्क', 'दुश्मन', और 'कुछ कुछ होता है' जैसी यादगार फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। अपनी पुरानी फिल्मों को लेकर उन्होंने कहा कि पहले के जमाने में फिल्मों का असर लोगों पर ज्यादा होता था, क्योंकि सिनेमा हॉल ही एकमात्र जगह होती थी जहां लोग अपने पसंदीदा सितारों को देख सकते थे। उस वक्त टीवी या मोबाइल पर फिल्में आसानी से नहीं मिलती थीं, इसलिए लोग फिल्मों को बहुत खास मानते थे और उनकी यादें भी लंबे समय तक बनी रहती थीं।

उन्होंने आगे कहा कि आजकल सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म के बढ़ते चलन से फिल्मों को लेकर उत्साह और याददाश्त पहले के मुकाबले काफी कम हो गई हैं। जब काजोल से पूछा गया कि आज रिलीज हुई फिल्मों की याददाश्त पहले वाली फिल्मों जैसी क्यों नहीं है, इस पर काजोल ने आईएएनएस से कहा, मुझे लगता है कि आज भी कुछ फिल्में अच्छी और याद रखने लायक होती हैं, लेकिन शायद उनकी संख्या कम है। मैं ये नहीं कहूंगी कि आज ऐसी कोई फिल्म नहीं है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पहले समय में सिर्फ सिनेमा हॉल ही एकमात्र तरीका था अपने पसंदीदा सितारों को देखने का। अगर किसी को शाहरुख खान को देखना होता था, तो उसे थिएटर जाना पड़ता था। अगर कोई अजय देवगन का फैन होता था, तो वो भी उन्हें देखने सिनेमा हॉल जाता था। अभिनेत्री ने कहा, उस समय न सोशल मीडिया था, न ओटीटी। कुछ भी नहीं था। अगर किसी को अपने पसंदीदा अभिनेता या अभिनेत्री को देखना होता था, तो उन्हें सिनेमा हॉल जाना होता था। जब किसी चीज को देखने या अनुभव करने का सिर्फ एक ही तरीका होता है, तो वही अनुभव सबसे गहरी याद बन जाता है। उन्होंने कहा, जब किसी चीज को देखने के लिए 15 अलग-अलग तरीके होते हैं, तो शायद वो उतनी गहराई से आपके दिल में नहीं बसती।

वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही कायोज ईरानी की फिल्म 'सरजमीन' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान डेब्यू कर रहे हैं। वहीं पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म 25 जुलाई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी। इसके अलावा, वह फिल्म 'महारागिनी- क्वीन ऑफ क्वीन' में भी दिखाई देंगी। फिल्म के निर्देशन की कमान चरण तेज उप्पलपति संभालेंगे। फिल्म से उप्पलपति का बॉलीवुड डेब्यू होगा।

कुली के नए गाने 'Monica' में पूजा हेगड़े का ग्लैमरस अवतार

रजनीकांत की मुख्य भूमिका वाली फिल्म कुली 14 अगस्त, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के बड़े पर्दे पर आने से पहले, निर्माताओं ने इसका दूसरा सिंगल, मोनिका, रिलीज कर दिया है, जिसमें पूजा हेगड़े एक विशेष भूमिका में हैं। अनिरुद्ध रविचंदर ने मोनिका गीत की रचना की और उसे गाया, जिसमें सुब्लाशिनी ने अतिरिक्त स्वर और असल कोलार ने रैप दिया। विष्णु एडवन ने गीत लिखे और सैंडी मास्टर ने नृत्य निर्देशन प्रदान किया। नवीनतम डांस ट्रैक साझा करते हुए, निर्माताओं ने लिखा, मोनिका, मेरी प्यारी मोनिका! पूजा हेगड़े अभिनीत कुली का दूसरा सिंगल मोनिका अब रिलीज हो गया है! मोनिका के लिरिकल वीडियो में पूजा को एक जबरदस्त डांस मूड में दिखाया गया है और उनके साथ सौबिन शाहिर नाच रहे हैं।

ब्रेकअप के बाद सिंगल हुई श्रुति हासन, शादी को लेकर जाहिर किया डर

अभिनेत्री-गायिका श्रुति हासन ने हाल ही में स्वीकार किया कि उन्हें शादी से 'डर' लगता है। हालाँकि वह प्रतिबद्धता और वफादारी को महत्व देती हैं - ये गुण अक्सर शादी से जुड़े होते हैं - लेकिन वह इन्हें कागज पर बाँधने से 'डरती' हैं।

उनका कहना है कि उन्हें इसकी जरूरत नहीं है और वे इन मूल्यों को अकेले ही कायम रख सकती हैं। श्रुति, जो पहले डूडल आर्टिस्ट और इलस्ट्रेटर, शांतनु हजारिका के साथ रिश्ते में थीं, ने बताया कि वह शादी के बंधन में बंधने के करीब पहुँच गई थीं, लेकिन यह उनकी वजह से नहीं टूटा। श्रुति ने रणवीर अल्लाहबादिया से उनके पॉडकास्ट पर कहा, यह मेरी गलती नहीं थी। यह बेमेल था। क्योंकि यही भविष्य है - संभावित बच्चे, और भी बहुत कुछ। यह बस टूट गया।

अभिनेत्री ने बच्चे पैदा करने की अपनी इच्छा भी व्यक्त की और कहा कि वह हमेशा से माँ बनना चाहती थीं, लेकिन सिंगल मदर नहीं, क्योंकि उनका मानना है कि बच्चे की परवरिश के लिए दो माता-पिता जरूरी होते हैं, और अगर कोई इस दिशा में काम कर सकता है, तो यह बहुत अच्छा है। श्रुति ने आगे कहा, मैं मनोवैज्ञानिक स्तर पर, अपने जीवन में लोगों को परेशान करना और उन्हें जरूरत से ज्यादा पोषित करना बंद कर दूँगी और इसे किसी ऐसे व्यक्ति को दूँगी जो वास्तव में इसका हकदार है।

मुझे लोगों को और अपने दोस्तों को अपने जीवन के प्रवाह में बदलते और बढ़ते देखना बहुत पसंद है, और मैं इसे लेकर कोई भी राय नहीं रखती। मुझे यह देखना अच्छा लगेगा कि ऐसा किसी ऐसे व्यक्ति के साथ हो जो मुझसे इतना जुड़ा हो। बच्चे बहुत आकर्षक होते हैं। अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में बात करते हुए, श्रुति ने बताया कि वह फिलहाल सिंगल हैं और खुद से सबसे ज्यादा प्यार करती हैं। 39 वर्षीय श्रुति ने आगे कहा कि वह अकेलेपन को अपनाने पर काम कर रही हैं और इसे अकेलेपन का नाम देना पसंद नहीं करतीं, क्योंकि उन्होंने लोगों को सिर्फ अकेले होने के डर से रिश्ते चुनते देखा है।

कपड़े पर चाय या कॉफी का दाग लग गया है? इन 5 तरीकों से हटाएं

चाय या कॉफी का दाग कपड़े पर लग जाए तो उसे साफ करना मुश्किल हो जाता है, खासकर अगर यह सफेद या हल्के रंग के कपड़ों पर लग जाए तो दाग हटाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान और असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने कपड़ों पर लगे चाय या कॉफी के दाग आसानी से हटा सकते हैं और अपने कपड़ों को पहले की तरह नया बना सकते हैं।

ठंडे पानी का करें इस्तेमाल

दाग हटाने के लिए ठंडा पानी सबसे अच्छा उपाय होता है। जब भी आपके कपड़े पर चाय या कॉफी का दाग लगे, तुरंत उसे ठंडे पानी से धो लें। गर्म पानी से धोने पर दाग जम जाता है और हटाने में मुश्किल होती है, इसलिए हमेशा ठंडे पानी का ही उपयोग करें। ठंडा पानी दाग को जल्दी ढीला करता है और कपड़े की गुणवत्ता भी बनी रहती है, जिससे आपके कपड़े लंबे समय तक नए जैसे दिखते हैं।

नमक का करें उपयोग

नमक एक प्राकृतिक सफाई का तरीका है, जो दाग हटाने में मदद करता है। अगर आपके कपड़े पर चाय या कॉफी का दाग लगा है तो उसे तुरंत नमक लगाकर कुछ मिनट छोड़ दें। इसके बाद हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। नमक दाग को गहराई तक पहुंचकर उसे ढीला कर देता है, जिससे दाग आसानी से निकल जाता है। इस तरीके से आपके कपड़े की गुणवत्ता भी बनी रहती है और वह पहले जैसा नया दिखता है।

सिरका भी है असरदार

सिरका एक बेहतरीन प्राकृतिक उपाय है, जो कपड़ों से जिद्दी दाग हटाने में मदद करता है। अगर आपके कपड़े पर चाय या कॉफी का दाग लगा है तो उसे सिरके के घोल (एक कप पानी में दो चम्मच सिरका मिलाकर) से रगड़ें। इससे दाग धीरे-धीरे हल्का हो जाएगा और कपड़े की रंगत भी बरकरार रहेगी। इस प्रक्रिया को दो-तीन बार दोहराने पर दाग पूरी तरह हट सकता है।

बेकिंग सोडा का करें इस्तेमाल

बेकिंग सोडा एक ऐसा पदार्थ है, जो दाग हटाने में बहुत ही कारगर होता है। अगर आपके कपड़े पर चाय या कॉफी का दाग लगा है तो उसे बेकिंग सोडा के घोल (एक चम्मच बेकिंग सोडा को पानी में मिलाकर) से रगड़ें। इससे दाग धीरे-धीरे हल्का हो जाएगा और कपड़े की गुणवत्ता भी बनी रहेगी। इस प्रक्रिया को दो-तीन बार दोहराने पर दाग पूरी तरह हट सकता है।

नींबू का रस भी है असरदार

नींबू का रस प्राकृतिक सफेदी देने वाला होता है, जो सफेद कपड़ों पर लगे जिद्दी दागों को साफ करने में मदद करता है। अगर आपके कपड़े पर चाय या कॉफी का दाग लगा हो तो नींबू के रस को सीधे उस जगह पर लगाएं और कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इस प्रक्रिया को दो-तीन बार दोहराने पर दाग पूरी तरह हट सकता है।

केले के चिप्स बनाम आलू के चिप्सः इनमें से किसे चुनना है बेहतर?

बाजार में कई तरह के चिप्स उपलब्ध हैं, जिनमें केला और आलू के चिप्स सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। इन दोनों में से किसे चुनना बेहतर है, यह सवाल आपके मन में जरूर आता होगा। केले के चिप्स को अक्सर सेहत के लिए अच्छा माना जाता है, जबकि आलू के चिप्स का स्वाद बेहतरीन होता है। आइए जानते हैं कि इनमें से किसे चुनना सेहत के लिए बेहतर है और क्यों।

केले के चिप्स के फायदे

केले के चिप्स के कई सेहत लाभ हैं। यह पोटेशियम, मैग्नीशियम और फाइबर से भरपूर होते हैं, जो दिल की सेहत को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें विटामिन-बी6 और विटामिन-सी भी होता है, जो शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा केले के चिप्स में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से बचाने में मदद करते हैं।

आलू के चिप्स के नुकसान

आलू के चिप्स का सेवन कई सेहत समस्याओं का कारण बन सकता है। इनमें ज्यादा नमक और चर्बी होती है, जो ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा इनमें कैलोरी की अधिकता होती है, जिससे वजन बढ़ने का खतरा रहता है। साथ ही तले हुए आलू के चिप्स में ऐसे तत्व मिलाए जाते हैं, जो शरीर में सूजन और दिल की बीमारी का कारण बन सकते हैं।

केले के चिप्स और आलू के चिप्स में से किसे चुनना चाहिए?

अगर आप सेहतमंद स्नैक की तलाश में हैं तो केले के चिप्स एक अच्छा विकल्प हो सकता है। यह न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि सेहत के लिए फायदेमंद भी होते हैं,

वहीं अगर आप स्वाद के शौकीन हैं तो आलू के चिप्स आपके लिए बेहतर रहेंगे। हालांकि, अगर आप किसी भी तरह के चिप्स का सेवन सीमित मात्रा में करते हैं तो दोनों ही विकल्प अच्छा हैं।

केले के चिप्स खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

बाजार से केले के चिप्स खरीदते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखें। हमेशा अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद ही खरीदें, जो बिना किसी कृत्रिम रंग या स्वाद के बने हों। इसके अलावा पैकेजिंग पर पोषण तत्वों की जानकारी पढ़ें ताकि आपको पता चले कि उसमें कितनी कैलोरी, चर्बी और अन्य पोषक तत्व होते हैं। साथ ही नमक की मात्रा भी चेक करें और कोशिश करें कि कम नमक वाले केले के चिप्स ही खरीदें।

घर पर केले के चिप्स बनाने का तरीका

घर पर केले के चिप्स बनाने के लिए सबसे पहले कच्चे केले को छिलकर पतले-पतले टुकड़ों में काट लें, फिर इन्हें हल्के गर्म तेल में सुनहरा होने तक तलें। जब ये पूरी तरह से ठंडे हो जाएं तो इन पर स्वादानुसार नमक छिड़कें। आप चाहें तो इसमें चुटकीभर काली मिर्च या चाट मसाला भी मिला सकते हैं। इस तरह आप आसानी से घर पर सेहतमंद केले के चिप्स तैयार कर सकते हैं और इन्हें सीमित मात्रा में खाएं।

जनजातीय संग्रहालय भावी युवा पीढ़ी में गौरवशाली आदिवासी संस्कृति के प्रति आत्म गौरव का भाव करेगा जागृत - दुर्गादास उईके

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय जनजातीय राज्यमंत्री दुर्गादास उईके द्वारा अपने दो दिन के छत्तीसगढ़ प्रवास के अंतिम चरण में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नवा रायपुर परिसर में स्थित नवनिर्मित छत्तीसगढ़ जनजातीय संग्रहालय का निरीक्षण किया गया। जनजातीय केन्द्रीय मंत्री उईके संग्रहालय में जनजातीय जीवनशैली के प्रत्येक पहलू के बेहद खूबसूरत ढ़ग से किए गए जीवंत प्रदर्शन से वे बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने इस दौरान कहा कि यह संग्रहालय भावी युवा पीढ़ी में गौरवशाली आदिवासी संस्कृति के प्रति आत्म गौरव का भाव पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

उन्होंने कहा कि भौतिकवादी एवं पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव से आज का जनजातीय समाज भी अछूता नहीं है, इसीलिए समाज की सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखने की आज बहुत जरूरत है। जनजातीय संग्रहालय के निर्माण से युवावर्ग को अपनी समृद्ध एवं गौरवशाली आदिवासी सांस्कृतिक विरासत को जानने का अवसर मिलेगा साथ ही आमजन भी आदिवासी सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा जनजातीय वर्ग के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से जनजातियों के सर्वांगीण विकास के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्री मोदी के 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना में यह प्रयास मील का पत्थर साबित होंगे।

जनजातीय केन्द्रीय मंत्री उईके संग्रहालय की सभी 14 गैलरियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ आदिम जाति विकास मंत्री मंत्री रामविचार नेताम, प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा एवं टीआरटीआई के संचालक जगदीश कुमार सोनकर उपस्थित थे। संग्रहालय में जनजातियों के परंपरागत वाद्ययंत्रों, आवास एवं घरेलू उपकरण, शिकार उपकरण, उनमें कृषि की परंपरागत तकनीकें एवं उपकरणों का जीवंत प्रदर्शन, उनमें आग जलाने की पद्धतियां, लौह निर्माण, रस्सी निर्माण, फसल मिंजाई (पौधों से बीज अलग करना), कत्था निर्माण, चिवड़ा-लाई निर्माण, मंद आसवन, अन्न कुटाई व पिसाई, तेल प्रसंस्करण हेतु उपयोग में लाने जाने वाले उपकरणों व परंपरागत तकनीकों, सांस्कृतिक विरासत के अंतर्गत अबुझमाड़िया में गोटुल, भुंजिया जनजाति में लाल बंगला, जनजातियों में परम्परागत कला कौशल जैसे बांसकला, काष्ठकला, चित्रकारी, गोदनाकला, शिल्पकला आदि के जीवंत प्रदर्शन को उनके द्वारा बहुत सराहा गया एवं साथ ही संग्रहालय का भ्रमण करने आए आगंतुको से पुछने पर उनके द्वारा भी संग्रहालय की बहुत सराहना की गई।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा इसी वर्ष 14 मई को लगभग 9 करोड़ रूपए की लागत से बनकर तैयार जनजातीय संग्रहालय का लोकार्पण किया गया था। इसके बाद इसे आमजन के लिए खोल दिया गया है। संग्रहालय को देखने प्रतिदिन सैकड़ों की संख्यां में आगंतुक तथा शोधार्थी एवं बुद्धिजीवी पहुंच रहे हैं। प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा द्वारा संग्रहालय में प्रयुक्त डिजीटल एवं एआई तकनीक के संबंध में केन्द्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उईके को अवगत कराया गया।

केन्द्रीय राज्यमंत्री उईके द्वारा टीआरटीआई परिसर में ही निर्माणाधीन शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह संग्रहालय की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। उन्होंने संग्रहालय के डिजीटली प्रेजेंटेशन को देखकर इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यह संग्रहालय भी 30 सितंबर तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है। उनके द्वारा विभागीय मंत्री, प्रमुख सचिव, संचालक टीआरटीआई एवं संग्रहालय के निर्माण कार्य में लगी पूरी टीम को उच्च कोटि के कार्यों के लिए बधाई दी।

लेजर तकनीक से किया बवासीर व भगंदर का इलाज

चिकित्सा महाविद्यालय के जनरल सर्जरी विभाग में लाइव वर्कशॉप संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के जनरल सर्जरी विभाग में लेजर इन बिनाइन प्रोक्टोलॉजी (गुदा संबंधी सौम्य रोगों में लेजर तकनीक) विषय पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायक लाइव वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में आधुनिक चिकित्सा तकनीक को व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत कर रोगियों को राहत दिलाने का उद्देश्य सफलतापूर्वक साकार किया गया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मंजू सिंह, विभागाध्यक्ष, जनरल सर्जरी विभाग ने की। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. संतोष सोनकर ने इस आयोजन को संस्थान के लिए एक मील का पत्थर बताया।

कार्यशाला में सर्जन डॉ. संतोष सोनकर ने बताया कि यह तकनीक पारंपरिक पद्धति की तुलना में कम पीड़ादायक है, रक्तस्राव न्यूनतम होता है और रोगी जल्द स्वस्थ होकर अपने सामान्य जीवन में लौट सकते हैं। इस दौरान बिनाइन प्रोक्टोलॉजिकल बीमारियों जैसे — बवासीर (Piles), भगंदर (Fistula), गुदा विदर (Fissure) आदि का लेजर तकनीक से ऑपरेशन किया गया तथा लेजर की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। इस कार्यशाला ने यह सिद्ध कर दिया कि जनरल सर्जरी विभाग केवल शल्य चिकित्सा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सहज, संवेदनशील और समर्पित चिकित्सा सेवा का एक जीवंत उदाहरण बन चुका है।

यह आयोजन न केवल चिकित्सकों के ज्ञानवर्धन का माध्यम बना, बल्कि छात्रों एवं प्रशिक्षुओं के लिए भी एक प्रेरणादायक अनुभव रहा। युवा डॉक्टरों के चेहरों पर आधुनिक तकनीक सीखने की जिज्ञासा और सेवा भावना की चमक स्पष्ट रूप से दिखाई दी। जनरल सर्जरी विभाग के इस आयोजन को चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक कदम माना जा रहा है। विभाग ने भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों की श्रृंखला जारी रखने का संकल्प लिया, जिससे चिकित्सा सेवा को और अधिक सुलभ और उन्नत बनाया जा सके।

छत्तीसगढ़ के प्रेम राजन रौतिया ने इंटरनेशनल पावरलिफ्टिंग में दिलाया स्वर्ण पदक, मुख्यमंत्री साय से की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में एसबीकेएफ इंटरनेशनल गेम्स 2024 में स्वर्ण पदक विजेता पावरलिफ्टर प्रेम राजन रौतिया ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने उन्हें इस विशिष्ट उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं, जो हम सभी के लिए गर्व का विषय है।

उल्लेखनीय है कि प्रेम राजन रौतिया महासमुंद जिले के पिथौरा के निवासी हैं। उन्होंने 31 अगस्त से 4 सितंबर 2024 तक नेपाल के पोखरा में आयोजित एसबीकेएफ इंटरनेशनल गेम्स में अंडर-30 कैटेगरी में भाग लेते हुए 735 किलोग्राम भार उठाकर शानदार प्रदर्शन किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

भोरमदेव पदयात्रा के साथ पवित्र सावन माह भर गूंजेगा हर हर महादेव और बोलबम की गूंज

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। ऐतिहासिक, पुरात्तव, धार्मिक, जनआस्था का प्रतीक भोरमदेव मंदिर में कंवरियों एवं श्रद्धालुओं द्वारा पदयात्रा कर भगवान शिव में जलाभिषेक करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है।

कबीरधाम जिले में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष सावन मास के प्रथम सोमवार 14 जुलाई को भोरमदेव पदयात्रा की तैयारी की जा रही है। इस पदयात्रा के प्रदेश के उपमुख्य एवं गृहमंत्री विजय शर्मा भी शामिल हो सकते है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जिले भर के सभी नागरिकों को एवं गणमान्य,समाजिक संगठनों, व्यापरिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों को इस ऐतिहासिक भोरमदेव पदयात्रा यात्रा में शामिल होने के लिए न्यौता दिया है। इसके अलावा कबीरधाम जिले के कलेक्टर के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके वर्तमान में राज्य शासन के वरिष्ठ आईएएस अफसरों को भी जिला प्रशासन द्वारा इस पद यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर के लिए सोमवार 14 जुलाई को सुबह 7 बजे बुढ़ा महादेव मंदिर से भोरमदेव मंदिर तक 18 किलोमीटर की पदयात्रा प्रारंभ होगी।

सदियों से चली आ रही यह पदयात्रा प्रशासनिक तौर पर आमजनों के सहयोग से कवर्धा के बुढ़ामहादेव मंदिर से 2008 से अनवरत जारी है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के मंशानुरूप कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा इस पदयात्रा और पदयात्रा में शामिल होने वाले भक्तों के लिए स्वास्थ्य सहित अन्य सुविधाएं की तैयारियां पूरी कर ली गई है।

फसल विविधीकरण और दलहन, तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। राज्य का अधिकांश क्षेत्र वर्षा आधारित होने से मौसमीय प्रतिकूलता एवं कृषि आदान लागत में वृद्धि के कारण कृषि आय में अनिश्चितता बनी रहती है, जिसके कारण कृषक फसल उत्पादन के लिए आवश्यक आदान जैसे उन्नत बीज, उर्वरक, कीटनाशक, यांत्रिकीकरण एवं नवीन कृषि तकनीकी में पर्याप्त निवेश नहीं कर पाते हैं।

राज्य सरकार द्वारा कृषि में पर्याप्त निवेश एवं कास्त लागत राहत देने के लिए कृषक उन्नति योजना प्रारंभ की गई है। फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन देने, दलहन तिलहन फसलों के क्षेत्र विस्तार तथा इनके उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य के साथ योजनांतर्गत चिन्हित अन्य फसलों पर आदान सहायता राशि दिए जाने का निर्णय लिया गया है। कृषक उन्नति योजना का मुख्य उद्देश्य फसल क्षेत्राच्छादन, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि, फसल के कास्त लागत में कमी लाकर कृषकों की आय में वृद्धि तथा उनके सामाजिक-आर्थिक स्तर में सुधार के साथ-साथ कृषकों को उन्नत बीज, उर्वरक, कीटनाशक, मानव श्रम, यांत्रिकीकरण एवं नवीन कृषि तकनीकी में निवेश हेतु प्रोत्साहन, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन देते हुए कृषि को लाभ के व्यवसाय के रूप में पुर्नस्थापित करना। योजना का क्रियान्वयन खरीफ 2025 से किया जाएगा।

कृषक उन्नति योजना का लाभ केवल उन्हीं कृषकों को मिलेगा, जिन्होंने एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन कराया हो। एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत ऐसे समस्त कृषक जिनके द्वारा खरीफ मौसम में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक से संबद्ध प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (लैम्पस सहित) अथवा छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड को धान अथवा धान बीज का विक्रय किया गया हो। तथा प्रदेश की सहकारी समितियों में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय किया हो तथा वर्तमान में धान के स्थान पर अन्य खरीफ फसल लेने हेतु पंजीयन कराया हो, जिनके द्वारा खरीफ मौसम में दलहन, तिलहन, मक्का लघु धान्य फसल (कोदो, कुटकी एवं रागी) एवं कपास फसल हेतु पंजीयन कराया गया हो। संस्थागत समितियां जैसे-ट्रस्ट, मंडल, प्राईवेट लिमिटेड, शाला विकास समिति तथा केन्द्र व राज्य शासन के संस्थान को योजनान्तर्गत पात्रता नहीं होगी। कृषकों को आदान सहायता राशि का भुगतान कृषि भूमि सिलिंग कानून के प्रावधानों के अध्याधीन किया जाएगा। कृषक उन्नति योजना अंतर्गत आदान सहायता राशि कृषकों के बैंक खाते में प्रत्यक्ष डीबीटी के माध्यम से की जाएगी। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति/छ.ग. राज्य बीज एवं कृषि निगम लिमि, (बीज निगम) को धान/धान बीज का विक्रय करने वाले कृषकों को आदान सहायता राशि का निर्धारण गिरदावरी में सत्यापित रकबे, उपरोक्त संस्थाओं को विक्रय धान/धान बीज की मात्रा तथा भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष घोषित किए जाने वाले न्यूनतम समर्थन मूल्य के आधार पर प्रतिवर्ष पृथक से किया जाएगा। धान की मात्रा पर धान (कॉमन) पर राशि 731 रूपए प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम राशि 15351 रूपए प्रति एकड़ तथा धान (ग्रेड-ए) पर राशि 711 रूपए प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम राशि 14931 रूपए प्रति एकड़ की दर से आदान सहायता राशि प्रदान किया जाएगा।

नैनो डीएपी से प्रति एकड़ 75 रूपए की बचत आसानी से उपलब्ध और उपयोग भी सरल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खरीफसीजन की शुरुआत के साथ ही राज्य में पर्याप्त बारिश के बाद किसानों ने धान की बुआई-रोपाई का काम तेजी कर दिया है। इस वर्ष किसानों को समय पर खाद और बीज की उपलब्धता ने न केवल बुवाई-रोपाई को सुगम बनाया है, बल्कि किसानों को खेती की लागत में कमी से भी फायदा पहुंचाया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर इस वर्ष चालू खरीफ मौसम में किसानों को प्राथमिक सहकारी कृषि साख समितियों के माध्यम से खाद-बीज की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इससे किसानों को न तो लाइन में लगना पड़ रहा है और न ही खाद-बीज की कालाबाज़ारी या कमी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। डीएपी की कमी को नैनो डीएपी और दूसरी खादों के उपयोग से पूरा करने की सरकार की रणनीति ने भी इस बार खेती-किसानी के काम को समय पर पूरा करने में खासी भूमिका निभाई है।

कोरबा जिले के ग्राम जामबहार के प्रगतिशील किसान जगत पाल सिंह ने इस साल ठोस डीएपी की कमी के बावजूद शासन की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें इस वर्ष खाद-बीज लेने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई है। 22 एकड़ भूमि में खेती करने वाले सिंह ने बताया कि उन्होंने प्राथमिक सहकारी कृषि साख समिति सोनपुरी से यूरिया, डीएपी और नैनो डीएपी लिया है।

उन्होंने कहा कि सरकार की किसानों को समय पर खाद-बीज भरपूर मात्रा में उपलब्ध कराने की व्यवस्था ने खूब फायदा पहुंचाया है। खाद-बीज समय पर उपलब्ध हो गए हैं, जिससे खेतों में धान की बुवाई समय पर हो गई और लागत भी घटी है।

श्री सिंह ने नैनो डीएपी को भविष्य की खेती का स्मार्ट समाधान बताया। उन्होंने कहा कि कम मात्रा में अधिक प्रभाव वाला यह उर्वरक उत्पादन बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहा है। श्री सिंह ने कहा कि ठोस डीएपी की कमी को पूरा करने के लिए सरकार ने तरल नैनो डीएपी की भरपूर व्यवस्था कर दी है। तरल नैनो डीएपी से किसानों को धान की एक एकड़ फसल में लागत पर 75 रूपए का फायदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि जहां एक एकड़ धान में डालने के लिए ठोस डीएपी की एक बोरी पर एक हजार 350 रूपए खर्च आता है, वहीं तरल नैनो डीएपी को आधी बोरी ठोस डीएपी के साथ एक एकड़ धान में उपयोग करने पर केवल एक हजार 275 रूपए ही लगते है। इस तरह किसानों को एक एकड़ में 75 रूपए की लागत कम लग रही है। जगत पाल सिंह ने शासन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि विष्णुदेव सरकार की योजनाओं ने किसानों में एक नया भरोसा जगाया है। अब हम बिना तनाव के पूरी निष्ठा से खेती कर पा रहे हैं। यह आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम है। राज्य सरकार की ये योजनाएं न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी ताकत दे रही हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्राथमिक सहकारी कृषि साख समितियों की पारदर्शी वितरण व्यवस्थाएं, समयबद्ध आपूर्ति चेन और तकनीकी नवाचारों को प्राथमिकता देते हुए सरकार किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुँचा रही है।

ग्राम अक्तवार में हैंडपंप मरम्मत और क्लोरीनेशन से ग्रामीणों को मिली स्वच्छ जल की सौगात

एमसीबी। जिले के भरतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम अक्तवार में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा हैंडपंप मरम्मत एवं जल स्रोतों की शुद्धता हेतु क्लोरीनेशन का कार्य कर ग्रामीणों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया गया है । पिछले कुछ समय से ग्रामीणों द्वारा हैंडपंप से गंदा पानी निकलने की शिकायत की जा रही थी, जिसे गंभीरता से लेते हुए विभागीय टीम मौके पर पहुंची और तकनीकी रूप से हैंडपंप की मरम्मत की गई। इसके साथ ही जल को कीटाणु रहित करने के लिए क्लोरीन मिश्रण कर पेयजल को शुद्ध किया गया। इस त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों को राहत मिली है और अब उन्हें स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की सुविधा सहज रूप से उपलब्ध हो रही है। कार्य के दौरान स्थानीय ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी और सहयोग भी उल्लेखनीय रहा, जिससे कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सका। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जल जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए इस प्रकार की कार्रवाइयाँ आगे भी गांव-गांव में की जाएंगी।

खास खबर

राजधानी के ताजनगर में पत्नी ने की पति को जान से मारने की कोशिश

रायपुर। राजधानी रायपुर के पंडरी ताजनगर में लव मैरिज करने वाली युवती काजल ने अपने पति पर चाकू से हमला कर दिया। लहूलुहान पति ने किसी तरह घर से भागकर अपनी जान बचाई। आरोपी पत्नी के खिलाफरिपोर्ट के बाद जुर्म दर्ज किया गया है। पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि मोहम्मद तैय्यब पेशे से टाइल्स मिस्त्री है। उसने काजल यादव से तीन पहले लव मैरिज की थी। दोनों ताजनगर में किराए के मकान में रहते हैं और उनका डेढ़ साल का एक बच्चा है।

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार रात 10।30 बजे काजल और मोहम्मद तैय्यब के बीच विवाद हुआ। आरोपी पत्नी ने अपने पति पर दूसरे महिला के संबंध का आरोप लगाया। दोनों के बीच गाली-गलौज शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि काजल ने पति पर सब्जी काटने के चाकू से पीठ, गले में वार कर दिया। इस दौरान हाथ-मुक्के से भी पीटा। पति ने किसी तरह घर से भागा और अपनी मां के घर पहुंचा। जहां उसने रिश्तेदारों को घटना की जानकारी दी।

नेशनल हाईवे में 6 मवेशियों को रौंदा, वाहन चालक फरार

राजनांदगांव। मानपुर के कोरकोट्टी में नेशनल हाईवे पर अज्ञात वाहन ने सड़क पर बैठे मवेशियों को रौंद दिया। हादसे में 6 मवेशियों की मौत हो गई। जिसमें गाय और बैल शामिल हैं। हादसे की जानकारी लगते हुए ग्रामीण घटना स्थल पर एकत्रित हो गए। उन्होंने चक्काजाम का प्रयास किया। हालांकि पुलिस की समझाइश के बाद सभी शांत हो गए। ग्रामीणों ने बताया कि अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने 6 गाय-बैलों को कुचल दिया। हादसा कोहका पंचायत के आश्रित ग्राम कोरकोट्टी में हुआ। । वाहन इतनी तेज रफ्तार में था कि टक्कर मारने के बाद तुरंत भाग गया। मृत मवेशी गांव के हीरे सिंह, परमेश्वर दुग्गा, टीरू राम और लाल दास के हैं। घटना के बाद गांव में गुस्सा है। मानपुर और कोहका थाने की पुलिस मौके पर पहुंची।

अवैध सूदखोरी का मामला: 19 बाइक सहित आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में के सरकंडा थाना पुलिस ने एक अवैध रूप से ब्याज का धंधा करने वाले महेश डहरिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 19 बाइक और संबंधित दस्तावेज जब्त किए हैं, जिन्हें उसने कर्ज के बदले गिरवी रखवाया था। आरोपी महेश कुमार डहरिया (42), निवासी ग्राम परसाही, पर आरोप है कि वह बिना वैध लाइसेंस के लोगों को उच्च ब्याज दर पर पैसे उधार देता था और बदले में उनकी बाइक व दस्तावेज गिरवी रख लेता था। समय पर पैसा या ब्याज नहीं देने पर वह मारपीट तक करता था।

मामले की शिकायत ग्राम पंधी निवासी भागवत प्रसाद सूर्यवंशी ने 10 जुलाई को सरकंडा थाने में दर्ज कराई थी। उसने बताया कि उसने आरोपी महेश से 18 हजार रुपए 5त्न ब्याज पर उधार लिए थे और अपनी बाइक (क्रमांक CG10 AY 8098) गिरवी रखी थी। समय पूरा होने से पहले ही महेश ने पैसे और दस्तावेज की मांग की, और ना देने पर मारपीट की। पुलिस जांच में खुला मामला, 19 बाइक जब्त सरकंडा टीआई नीलेश पांडेय ने बताया कि मामले की जांच के दौरान महेश की सूदखोरी की पोल खुल गई। पुलिस ने उसके घर दबिश दी, जहां से 19 मोटरसाइकिलें और कई लोगों के दस्तावेज बरामद किए गए। पुलिस को यह भी पता चला कि आरोपी कई लोगों से इसी तरह कर्ज वसूली कर उन्हें धमका चुका है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, मारपीट और बिना लाइसेंस वित्तीय लेनदेन करने के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

राजधानी में 18 चोरियों को अंजाम देने वाला गिरोह पकड़ाया, पुलिस ने किया 30 लाख का माल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में पुलिस ने 18 चोरियों की घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरोह को पकड़ा है। अलग अलग थाना क्षेत्रों में इन वारदातों को अंजाम दिया गया। पुलिस ने इस मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से आरोपियों के पास से 26 तोला सोना समेत 30 लाख का माल पुलिस ने जब्त किया है।

दरअसल रायपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्र में लगातार चोरियां हो रही थी। शिकायतों के बाद आईजी अमरेश मिश्रा और SSP डॉ. लाल उमेद सिंह ने क्राइम ब्रांच के जल्द चोरों के गिरफ्तारी के निर्देश दिए। जिसके पास 30 मेंबरों की एक स्पेशल टीम बनाई गई। जिसने वारदात के आसपास के सीसीटीवी कैमरों और पूछताछ की मदद से आरोपियों की गिरफ्तारी की। इन चोरों ने ज्यादातर शहर के आउटर इलाकों के सुने मकानों को निशाना बनाया था।

गिरोह द्वारा मुजगहन थाना क्षेत्र मे 9 घरों को निशाना बनाया। अभनपुर में तीन, विधानसभा क्षेत्र में दो तथा पंडरी, डीडी नगर व खम्हारडीह में एक एक चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 260.585 ग्राम (26.50 तोला) सोना, 1 किलो 634 ग्राम चांदी, 5 नग मोबाइल फोन, 5 नग दोपहिया वाहन जब्त किया है। सभी सामान कीमत लगभग 30,10,000 है, जिसे जब्त किया गया। इनमें से कई आरोपी पहले भी चोरी और मारपीट के मामले में जेल जा चुके हैं।

यह हैं गिरफ्तार आरोपी

सागर नगरहा (देवार) पिता जगमोहन नगरहा उम्र 21 साल निवासी चंगोराभाठा डी.डी.नगर रायपुर। भूपेन्द्र साहू पिता लतेलू साहू उम्र 22 साल निवासी ताजनगर, संतोषी नगर थाना टिकरापारा रायपुर। शुभांकर पटेल (देवार) पिता स्व. मंगल पटेल उम्र 21 साल निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कचना थाना खम्हारडीह रायपुर। रवि नेताम (देवार) पिता वीरू नेताम उम्र 25 साल निवासी सरकारी स्कूल के पास मठपुरैना थाना पुरानी बस्ती रायपुर। करण ध्रुव (देवार) पिता हेमु ध्रुव उम्र 25 साल निवासी ओम नगर काठाडीह थाना टिकरापारा रायपुर। सुरेश सोनझरा पिता स्व. चमन लाल उम्र 46 साल निवासी सोनझरा पारा हरदेव लाल मंदिर के सामने थाना टिकरापारा रायपुर।

दुकान का शटर तोड़कर चोरी, 30 हजार का सामान किया पार

दुर्ग। शहर में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। बीती रात नया बस स्टैंड जीई रोड पर स्थित कृष्णा रेस्टोरेंट को चोरों ने निशाना बना लिया। शटर का ताला तोड़कर अंदर घुसे चोरों ने इलेक्ट्रॉनिक तराजू, नगदी, चांदी की मूर्तियां, सिक्के तथा मिठाई सहित लगभग 30 हजार रुपए के सामान पर हाथ साफकर दिया।

कृष्णा रेस्टोरेंट के संचालक वीरेंद्र मिश्रा ने बताया कि चोर रात्रि में शटर का ताला तोड़कर भीतर घुसे और गल्ले में रखे करीब 6-7 सौ रुपए नकद, दुकान में रखा इलेक्ट्रॉनिक तराजू, पूजा के लिए रखी चांदी की मूर्ति व तीन-चार चांदी के सिक्के, साथ ही तीन-चार किलो मिठाई चोरी कर ले गए। चोरी का पता सुबह दुकान खोलने पर चला, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। यह रेस्टोरेंट जीई रोड पर मुख्य मार्ग पर स्थित है, जहां रातभर वाहनों की आवाजाही लगी रहती है। इसके अलावा इसी सौभाग्य कॉम्प्लेक्स में दर्जनों डॉक्टरों की क्लिनिक हैं तथा रेस्टोरेंट के ऊपर ही स्टेट बैंक का कार्यालय संचालित है। बावजूद इसके चोरी होना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि मुख्य सड़क पर इस तरह से शटर तोड़कर चोरी हो जाना बेहद चिंता की बात है। व्यापारिक प्रतिष्ठानों के साथ ही बैंक के आसपास भी सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होना हैरान करने वाला है। दुकानदारों ने पुलिस से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और निगरानी कड़ी करने की मांग की है।

नहर में गिरी कार, 3 की मौत, दो की हालत नाजुक

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। जिले के विश्रामपुर से शादी की सालगिरह समारोह में शामिल होने बिहार गया एक परिवार भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गया है। पटना जिले के रानी तालाब इलाके में उनकी कार अनियंत्रित होकर सोन नहर में गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सभी मृतक विश्रामपुर के निवासी थे। घायलों में नंदन सिंह और उनकी बेटी शामिल हैं। जिनका इलाज अभी पटना एम्स में चल रहा है। बताया जा रहा है कि विश्रामपुर निवासी नंदन सिंह अपने परिवार के साथ कार से बिहार के वैशाली नगर जा रहे थे। जहां वे परिवार के शादी के सालगिरह समारोह में शामिल होने जा रहे थे। रास्ते में पटना के रानी तालाब थाना क्षेत्र के सरैया गांव के पास अचानक कार बेकाबू हो गई और सोन नहर में जा गिरी।

बताया जा रहा है कि गाड़ी चलाते समय नंदन सिंह को नींद आ गई, जिससे यह बड़ा हादसा हो गया। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी को नहर से बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया है। इस दौरान तीन लोगों की मौत हो गई। घटना से विश्रामपुर में भी शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

लापरवाह वाहन चालकों पर यातायात पुलिस ने की कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा जिले की यातायात व्यवस्था एवं सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु एवं लापरवाह वाहन चालकों पर कार्यवाही करने जिले के प्रमुख मार्ग में शाम 6 बजे से देर रात तक विशेष वाहन चेकिंग पॉइंट लगाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर दो पहिया वाहन में तीन सवारी, तेज रफ्तार,ब्लैक फिल्म, मॉडिफाइड साइलेंसर वाहनों पर कार्यवाही करने के प्राप्त निर्देश की गई कार्यवाही।

यातायात पुलिस दुर्ग ने दुर्ग बस स्टेण्ड, जेल चौक, जुनवानी चौक, गुरूद्वारा चौक, खुर्सीपार चौक, सिरसा गेट, अहिवारा मोड, ग्लोब चौक, बेरोजगार तिराहा एवं छावनी चौक पर यातायात के अधिकारी-कर्मचारियों की विशेष चेकिंग पाइंट ड्यूटी लगाई गई थी जिसमें नशे में होने वाले भारी एवं छोटे सभी वाहन चालकों को ब्रीथ एनेलाईजर मशीन से चेक किया गया जिसमें 8 वाहन चालक नशे में वाहन चलाते पाए गए जिनके वाहन जप्त कर अग्रिम कार्यवाही हेतु न्यायालय भेजा गया ।

साथ ही दो पहिया वाहन में तीन सवारी वाहन चलाते 36 वाहन चालको पर, तेज एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते 25, ब्लेक फिल्म में 02, बिना हेलमेट 56 एवं अन्य धराओ के तहत कुल-237 वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं के तहत कार्यवाही की गई। शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर लायसेंस निलंबन के लिए संबंधित परिवहन विभाग को भेजा गया। साथ ही यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा नो पार्किंग में खड़े वाहनों को पेट्रोलिंग द्वारा ई-चालान की कार्यवाही कर वाहनों को हटाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

जांजगीर-चांपा में चार मासूम डूबे, स्कूल से लौटकर तालाब गए थे नहाने, सभी की मौत, पसरा मातम

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में शनिवार को दर्दनाक हादसे में चार मासूमों की मौत हो गई। स्कूल से लौटकर वे सभी तालाब में नहाने चले गए और डूबने से सभी की मौत हो गई। हादसा शनिवार दोपहर की है। घटना बलौदा थाना क्षेत्र के भैंसतरा गांव की है। मृत बच्चों की उम्र 5 से 8 साल के बीच बताई गई है। मृतकों में एक भाई-बहन की जोड़ी भी शामिल है।

मिली जानकारी के अनुसार पुष्पांजलि श्रीवास (8 वर्ष), उसका भाई तुषार (5 वर्ष), ख्याति केनवत (6 वर्ष) और अंबिका यादव (6 वर्ष), दोपहर करीब 12 बजे स्कूल से घर लौटे थे। खाना खाने के बाद बाद सभी बच्चे खेलने के लिए घर से बाहर निकल गए। जब काफी देर तक बच्चे वापस नहीं लौटे, तो परिवारवालों को चिंता हुई और उन्होंने बच्चों की तलाश शुरू की।

तलाशी के दौरान परिजनों को गांव के एक तालाब के किनारे बच्चों के कपड़े नजर आए। आशंका होते ही उन्होंने गांववालों को बुलाया और बच्चों की तलाश शुरू की गई। कुछ ही देर बाद चारों बच्चों को पानी से बाहर निकाला गया और तुरंत बलौदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी अस्पताल पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। बलौदा पुलिस ने बताया कि मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। एक ही दिन चार-चार मासूमों की मौत ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

3.600 किलो डोडा चूरा जब्त, ढाबा संचालक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ जारी अभियान के तहत कोंडागांव पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

केशकाल थाना पुलिस को मिली मुखबिर की सूचना पर जोधपुर ढाबे में छापेमारी कर 3.600 किलोग्राम डोडा चूरा (पॉपी स्ट्रॉ) बरामद किया गया है। पुलिस ने मौके से ढाबा संचालक दिलीप जोशी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी दिलीप जोशी राजस्थान के नाथडाउ का मूल निवासी है और वर्तमान में केशकाल में रह रहा था। तलाशी के दौरान आरोपी के पास किसी भी प्रकार के वैध दस्तावेज नहीं मिले, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि वह अवैध रूप से मादक पदार्थ का व्यापार कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ NDPS एक्ट की धारा 15(ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। बता दें कि यह अपराध अजमानतीय श्रेणी में आता है, जिसमें दोषी पाए जाने पर कठोर सजा का प्रावधान पुलिस कर रही गहन जांच एसपी वाय अक्षय कुमार ने बताया कि जिले में नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है।

उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को नशा विरोधी अभियान तेज करने और अवैध तस्करी में लिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। केशकाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस अवैध मादक पदार्थ तस्करी के पीछे और कौन-कौन लोग शामिल हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि नशीले पदार्थों की आपूर्ति के स्त्रोत कहां से हैं और यह गिरोह किन-किन राज्यों से जुड़ा हो सकता है। कोंडागांव पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशे के कारोबार को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

साइबर ठगी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर पुलिस ने साइबर ठगी के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने बैंक खाता किराए पर देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी के अनुसार, कुछ लोग आर्थिक लालच में आकर अपने बैंक खातों को किराए पर दे रहे थे। इन खातों को म्यूल अकाउंट कहा जाता है। साइबर अपराधी इन खातों का इस्तेमाल अवैध लेन-देन के लिए करते थे। खाताधारकों को इसके बदले एक निश्चित राशि मिलती थी।

मामले का खुलासा तब हुआ जब महाराष्ट्र बैंक के एक खाते में 1 लाख रुपए का संदिग्ध लेन-देन पाया गया। यह खाता गिरांग गांव के सुभाष केरकेट्टा का था। साइबर टीम ने जांच में खाते की गतिविधियों को संदिग्ध पाया। पूछताछ में सुभाष ने बताया कि उसने एक साल पहले खाता खोला था। उसने अपना एटीएम कार्ड अपने चाचा नीरज रतन टोप्पो को दे दिया था। नीरज ने इसके बदले उसे कुछ पैसे दिए थे। नीरज की गिरफ्तारी के बाद पता चला कि उसने एटीएम कार्ड और खाते के दस्तावेज एक अज्ञात व्यक्ति को रांची भेजे थे। दोनों की बातचीत सिर्फ मोबाइल पर हुई थी। इससे एक संगठित गिरोह के होने की पुष्टि हुई है।

पुलिस ने सुभाष केरकेट्टा (25) और नीरज रतन टोप्पो (43) के खिलाफ धारा 318(2), 318(4) और 61(2) के तहत केस दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। जिले में म्यूल अकाउंट्स की जांच को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इससे पहले भी जिले के दुलदुला, कुनकुरी और पत्थलगांव थाना क्षेत्रों में इसी तरह के तीन मामलों में केस दर्ज कर दो आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। मामले में एसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि म्यूल अकाउंट्स के जरिए की जा रही ठगी में सीधे तौर पर खाताधारक भी जिम्मेदार होते हैं। ऐसे लोगों पर पुलिस लगातार नजर रख रही है।

एक गोत्र का होने पर प्रेमी जोड़े को दी खौफनाक सजा, हल में बैल की तरह बांधकर जोता खेत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़ा। ओड़िशा के रायगड़ा जिले से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। जले के कांजामजोड़ी गांव में एक गोत्र का होने के कारण युवा प्रेमी जोड़े को खौफ्नाक सजा दी गई। दोनों को बैल की तरह हल में बांधकर खेत जोता गया। इतना ही नहीं दोनों को बेरहमी से पीट-पीटकर गांव से भगा दिया गया। घटना कुछ दिन पुरानी बताई जा रही है लेकिन इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच की बात की है।

मिली जानकारी के अनुसार लाका सारका (28) कुछ दिन पहले कोदिया सारका (31) के साथ भाग गया था। बताया जा रहा है कि कोदिया, लाका के पिता की बहन है। जब वे गांव लौटे, तो उनके रिश्ते के बारे में पता चला। इसके बाद गांव के बुजुर्गों ने एक बैठक बुलाई। उन्होंने स्थानीय परंपराओं का हवाला दिया, जिसके अनुसार एक ही गोत्र में शादी या प्रेम संबंध नहीं हो सकते। इसलिए बुजुर्गों ने दोनों को सजा देने का फैसला किया।

इसके बाद प्रेमी जोड़े को बैल की तरह बांधकर हल चलवाया गया। गांव की देवी की पूजा के बाद इस जोड़े को धमकाकर यह काम किया गया। जुताई के बाद दोनों को लाठी से मार-मारकर गांव से बेदखल कर दिया गया। दोनों कहां गए हैं, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। इधर रायगड़ा के स्क्स्वाति एस कुमार ने वीडियो वायरल होने के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि एक टीम को मामले की जांच के लिए भेजा जाएगा। पुलिस अब इस मामले की छानबीन कर रही है।

पीएसवाय उत्कृष्टता सम्मान समारोह में शामिल हुए सीएम साय, बोले-

जीवन में सफलता के लिए शिक्षा है मजबूत आधार

छत्तीसगढ़ ने शिक्षा के क्षेत्र में हासिल किया नया मुकामः नई शिक्षा नीति से बदली तस्वीर, छत्तीसगढ़ में स्थानीय भाषाओं में मिल रही शिक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को राजधानी रायपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित पीएसवाय उत्कृष्टता सम्मान समारोह में विभिन्न विधाओं के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने सभी सम्मानित शिक्षकों, विद्यार्थियों और संस्थाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र सेवा का मार्ग है। शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है, और यही किसी भी राष्ट्र की प्रगति की नींव होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता का मूल आधार शिक्षा ही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है और बीते वर्षों में राज्य ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। जहां पहले प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था, आज वहां 15 से अधिक मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। साथ ही, आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थान भी राज्य में कार्यरत हैं। गांव-गांव में स्कूल खोले गए हैं, और बच्चों की आवश्यकताओं के अनुरूप महाविद्यालयों की स्थापना की गई है।

उन्होंने कहा कि हमारे समय में कई गांवों के बच्चों के लिए केवल एक स्कूल होता था। मुझे याद है कि मैंने पांचवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा दूसरे गांव में दी थी, क्योंकि हमारे गांव में परीक्षा केंद्र नहीं था। आज छत्तीसगढ़ में छात्रों के लिए असीम अवसर मौजूद हैं और प्रत्येक बच्चे को इन अवसरों का लाभ उठाकर अपने लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में निरंतर अग्रसर है, और इसी संकल्प को लेकर हम विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में भी तेज़ गति से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश ने वैश्विक स्तर पर सम्मान प्राप्त किया है और भारत पुनः विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है।

साय ने कहा कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति को ज़मीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 में देश में लागू की गई नई शिक्षा नीति के तहत छत्तीसगढ़ में शिक्षा अब स्थानीय भाषाओं में भी उपलब्ध हो रही है। बस्तर जैसे क्षेत्रों में अब स्थानीय भाषाओं में पढ़ाई करवाई जा रही है, और प्रदेश में मेडिकल की शिक्षा भी हिंदी में दी जा रही है। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने संस्था द्वारा सम्मानित प्रतिभावान छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में इन बच्चों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने में हमारे युवाओं का योगदान निर्णायक सिद्ध होगा।

विधायक धरमलाल कौशिक ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि संस्था का उद्देश्य न केवल प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित करना है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही प्रतिभाओं को भी एक मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को विभिन्न भाषाओं में पारंगत बनाने की दिशा में ठोस कार्य प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों की भी सराहना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को भी सम्मानित किया। इस दौरान वरिष्ठ चित्रकार राज सैनी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को एक विशेष उपहार के रूप में उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के साथ की पेंटिंग भेंट की। कार्यक्रम में पीएसवाय के प्रेसिडेंट डॉ. एस.के. मिश्रा, सलाहकार महेंद्र गुप्ता, सीईओ श्रीमती शुभ्रा शुक्ला, सहित अनेक प्रबुद्धजन, शिक्षाविद्, गणमान्य अतिथि, एवं स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ सरकार का बड़ा फैसला

दस साल से अधिक लंबित 25 हजार रुपए तक की वैट देनदारियां खत्म होंगी

40 हजार से अधिक व्यापारियों को मिलेगा लाभ, 62 हजार से अधिक मामलों में मुकदमेबाजी कम होगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में छोटे व्यापारियों को अपना व्यवसाय आसानी से करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार छोटे व्यापारियों के 10 साल से अधिक लंबित पुराने मामलों में 25 हजार रुपये तक की वैट देनदारियों को खत्म करने जा रही है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में इज़ ऑफडूइंग बिजनेस के तहत जीएसटी प्रावधानों में भी कई संशोधन किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ माल एवं सेवा कर संशोधन विधेयक और छत्तीसगढ़ बकाया कर, ब्याज एवं शास्ति के निपटान संशोधन विधेयक 2025 के प्रारूप का अनुमोदन कर दिया गया है। इन दोनों विधेयकों को विधानसभा के मानसून सत्र में पटल पर रखा जाएगा। 10 साल से अधिक पुराने 25 हजार रुपये तक की वैट देनदारियों को खत्म करने से राज्य के लगभग 40 हजार से अधिक व्यापारियों को फायदा मिलेगा। इसके साथ ही 62 हजार से अधिक मुकदमों के मामले भी कम हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ माल एवं सेवा कर संशोधन विधेयक के प्रारूप का भी अनुमोदन किया गया। इस प्रारूप में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुरूप संशोधन प्रस्तावित किए गए हैं। किए गए प्रस्ताव के अनुसार इनपुट सर्विस डिस्ट्रीब्यूटर्स द्वारा आईजीएसटी में लिए गए आरसीएम का वितरण भी अब अपने ब्रांच ऑफिस में किया जा सकेगा। इससे जीएसटी अधिनियम में विसंगति को दूर करने में मदद मिलेगी और व्यापारियों को इज़ ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत कारोबार करने में आसानी होगी।

एक अन्य संशोधन प्रस्ताव अनुसार, ऐसे पेनाल्टी की राशि जिनमें टैक्स की डिमांड सम्मिलित नहीं होती है, उन प्रकरणों में अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक पूर्व डिपॉजिट 20 प्रतिशत राशि को घटाकर 10 प्रतिशत किया गया है। यह निर्णय व्यापार जगत को सहूलियत देने वाला साबित होगा। जीएसटी प्रणाली में वाउचर पर करदेयता के संबंध में स्थिति स्पष्ट करते हुए 'टाइम ऑफ सप्लाई' के प्रावधान को विलोपित किया गया है। इस संबंध में विभिन्न एडवांस रूलिंग अथॉरिटी में मतभिन्नता थी, अतः एकरूपता के प्रयोजन से यह संशोधन लाया गया।

कैपेसिटी बेस्ड टैक्सेशन एवं स्पेशल कंपोजिशन लेवी विषय पर गठित मंत्री समूह की अनुशंसा के आधार पर डिमेरिट गुड्स जैसे तंबाकू उत्पाद के लिए ट्रेस एंड ट्रैक मैकेनिज्म लागू किया गया है, जिसके द्वारा इन उत्पादों का निर्माण से अंतिम उपभोक्ता तक विक्रय के समूचे सप्लाई चेन की कारगर निगरानी की जा सकेगी। विशेष आर्थिक क्षेत्रों के वेयरहाउस में रखे गए वस्तुओं, जिनके फिजिकल मूवमेंट के बिना कई बार क्रय-विक्रय संव्यवहार किया जाता है, ऐसे मामलों में ऐसे संव्यवहारों को जीएसटी की परिधि से बाहर रखने के लिए संशोधन लाया गया है, जिससे विशेष आर्थिक क्षेत्रों को और अधिक बढ़ावा दिया जा सके।

जीवन में बदलाव और जीवन के बचाव के लिए जागरूकता का होना आवश्यकः राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज कोरबा जिले में आकांक्षी ब्लॉक कोरबा और पोड़ी उपरोड़ा के विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर आकांक्षी ब्लॉक के इंडिकेटर्स में निर्धारित बिंदुओं पर चर्चा की और स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य पैरामीटर्स में वृद्धि लाने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने योजनाओं के माध्यम से गाँव के लोगों को लाभान्वित करते हुए उनके जीवन में बदलाव लाने, जो कार्य किया जा रहा है उसे और बेहतर करते हुए कार्य करने, विकास कार्यों के लिए उपलब्ध राशि का सदुपयोग करने, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को भी अच्छे कार्यों में भागीदार बनाने के निर्देश देते हुए अपने गाँव, जिला,राज्य और देश के विकास के लिए कार्य करने कहा। उन्होंने कोरबा जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात को बेहतर करने के लिये जुर्माना ही विकल्प नहीं है।

लोगों का जीवन अनमोल है और जीवन की रक्षा के लिए जागरूकता भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि यह जागरूकता का ही परिणाम है कि लोग हाथों की अच्छे से सफाई और शौचालय का उपयोग करते हैं। आकांक्षी ब्लॉक कोरबा और पोड़ी उपरोड़ा के अधिकारियों की बैठक लेकर राज्यपाल डेका ने अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की और प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आकांक्षी ब्लॉक अंतर्गत निर्धारित इंडिकेटर्स में सेचुरेशन के निर्देश दिए। राज्यपाल ने स्वास्थ्य अंतर्गत संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, आयुष्मान के माध्यम से उपचार, टीबी, हाइपरटेंशन, डाइबिटीज के मरीजों की पहचान करते हुए उनका समय पर उपचार और इसके रोकथाम के लिए जागरूकता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुसूचित क्षेत्रों के बच्चों को समय पर पूरक पोषण आहार प्रदान करते हुए उन्हें सुपोषित बनाने के निर्देश दिए। राज्यपाल श्री डेका ने शाला त्यागी (ड्राप आउट) बच्चों को शिक्षा से जोड़ने, बोर्ड परीक्षाफल में सुधार करने और 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्यावरण और जलसंरक्षण की दिशा में कदम उठाने के निर्देश देते हुए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के निर्माण को बढ़ावा देने, मनरेगा अन्तर्गत निर्मित अमृत सरोवर, डबरी एवं तालाबो में जल की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मानसून से पहले और मानसून के बाद जल भराव की स्थिति का आकलन करते हुए ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने के निर्देश दिये। राज्यपाल डेका ने गांव में खेलकूद को बढ़ावा देने, सामाजिक कार्यक्रमों को व्यवस्थित रूप में संचालित करने, अध्ययन का माहौल विकसित करने जिम, सामुदायिक भवन, लाइब्रेरी की स्थापना पर भी जोर देने के निर्देश दिये। उन्होंने स्कूल, छात्रावास, अस्पताल तक पहुंच मार्ग, पीएम आवास योजना अन्तर्गत राशि प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को आवास पूर्ण कराने प्रोत्साहित करने, स्वसहायता समूह की सदस्यों को लखपति दीदी बनाने, ग्रामीणों को पशु पालन से जोड़ते हुए उनकी आजीविका की दिशा में कार्य करने के भी निर्देश दिये। राज्यपाल ने भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा संचालित फ्लैगशिप योजनाओं में प्रगति लाने और योजनाओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर सुनिश्चित करते हुए जरूरतमंद हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री साय से मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ डॉ. अंजली पवार ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ 2025 डॉ. अंजली पवार ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री साय ने डॉ. अंजली पवार को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री साय ने डॉ. अंजली पवार को छत्तीसगढ़ के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने विशेष रूप से बस्तर एवं सरगुजा जैसे प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण क्षेत्रों सहित प्रदेश के सभी धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों में पर्यटन विकास की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद उपस्थित थे।

अपने गांव के विकास के लिए योजना बनाकर उसमे भागीदार बनिये-राज्यपाल रमेन डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कोरबा जिले के आकांक्षी ब्लाक कोरबा और पोंड़ीउपरोड़ा के ब्लाक स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर महत्वपूर्ण इंडिकेटर की समीक्षा करने के साथ-साथ क्षेत्र के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों और सरपंचों से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आप निर्वाचित जन प्रतिनिधि हैं और गांव व अपने क्षेत्र से सीधे जुड़े होते हैं, आप प्रथम स्तंभ हैं इसलिए आपको चाहिये कि आप अपने क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान रखकर योजना बनाएं, जो भी समस्याएं हैं उनको चिन्हांकित करें और आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कलेक्टर से मिलकर उनसे चर्चा करें। राज्यपाल ने कहा कि 15 वें वित्त से प्राप्त होने वाली राशि का सदुपयोग गांव के विकास के लिए किया जाये। उन्होंने निर्वाचित जन प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे अपने गांव से जुड़कर रहें और नजर रखें कि जिन उद्देश्यों के लिए गांव में योजना का क्रियान्वयन हुआ है उसका संचालन सही ढंग से हो रहा है या नहीं। उन्होंने गांव में स्वच्छता, पेयजल उपलब्धता, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और असाक्षर महिलाओं को साक्षर बनाने तथा पीएम आवास योजना अन्तर्गत हितग्राहियों को आवास निर्माण समय पर पूरा करने के लिये जन प्रतिनिधियों की भूमिकाओं को महत्वपूर्ण बताते हुए निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सरपंचों द्वारा राज्यपाल का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

"मौसम के जोखिमों से हमारे मेहनती किसान भाई-बहनों के हितों को सुरक्षित करने में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना काफी कारगर साबित हो रही है। इसका लाभ करोड़ों किसानों को मिल रहा है।"
— नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

बेमिसाल खेती की मिसाल बनाओ
फसल बीमा कराओ सुरक्षा कवच पाओ

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की उपलब्धियाँ
- 23+ करोड़ किसान भाई-बहनों को अब तक मिला फसल बीमा का लाभ
- ₹ 1.75+ लाख करोड़ के दावों का भुगतान किसानों को किया
- 78+ करोड़ से अधिक किसान आवेदन प्राप्त
- राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल द्वारा पारदर्शी एवं त्वरित दावा भुगतान

पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2025

देशव्यापी हेल्पलाइन 14447

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

बीमा भागीदार: AIC, Bajaj Allianz, Chola MS, Future Generali, HDFC ERGO, ICICI Lombard, IFFCO-TOKIO, Kshema, Oriental Insurance, Reliance General Insurance, SBI general, TATA AIG, Universal Sompo General Insurance, Agriculture Insurance Company of India

अपनी फसलों को आज ही बीमित करने के लिए संपर्क करें

जनसेवा केंद्र | क्रॉप इंश्योरेंस ऐप https://play.google.com | पोस्ट ऑफिस | बैंक शाखा | @PMFBY

योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950